RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 133 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 07-12-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 नगालैंड को केवल हॉर्नबिल महोत्सव के नजरिये से नहीं देखा जाना चाहिए : सिंधिया

6 नायक भीम सिंहः ग्रेनेड धमाके में भी नहीं डिगा हौसला, खूंखार आतंकवादी को किया ढेर

7 पुतिन के लिए राजकीय भोज में गर्मजोशी भरा और आत्मीय माहौल था : थरूर

फर्स्ट टेक

दक्षिण अफ्रीका में 'बार' में गोलीबारी में 11 की मौत

केपटाउन (द.अफ्रीका)/एपी। दक्षिण अफ्रीका की राजधानी के निकट एक गैर-लाइसेंसी 'बार' में शनिवार को कई संदिग्धों द्वारा की गई गोलीबारी में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पीड़ितों में तीन, 12 और 16 साल के तीन बच्चे शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीकी पुलिस सेवा के एक बयान के अनुसार 14 अन्य लोग घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने घायलों की उम्र या उनकी स्थिति के बारे में कोई विवरण नहीं दिया। पुलिस ने बताया कि गोलीबारी शनिवार तड़के प्रशासनिक राजधानी प्रिटोरिया के पश्चिम में सॉल्सविले टाउनशिप के एक छात्रावास के भीतर एक 'बार' में हुई। पुलिस ने बताया कि दस लोगों की मौके पर ही मौत हो गई तथा 11वें की अस्पताल में मौत हो गई।

गाजा पट्टी में युद्ध-विराम अहम दौर में : कतर के प्रधानमंत्री

दोहा/एपी। कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल थानी ने शनिवार को कहा कि गाजा पट्टी में युद्ध-विराम समझौता अहम दौर में पहुंच चुका है, क्योंकि इसका पहला चरण समाप्त हो रहा है और अब महज एक इजराइली बंधक के अवशेष हमास लड़ाकों के कब्जे में रह गए हैं। शेख मोहम्मद ने राजधानी दोहा में एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कहा कि अमेरिका के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थ इस समझौते को मजबूत करने के लिए दूसरे चरण को आगे बढ़ाने के उपायों पर काम कर रहे हैं। उन्होंने 'दोहा फोरम' में कहा, हमने अभी जो किया है, वह एक विराम है। हम इसे अभी युद्ध-विराम नहीं मान सकते।

सीमा शुल्क को सरल बनाना अगला बड़ा सुधार होगा : वित्त मंत्री

नई दिल्ली/भाषा। आम बजट से पहले केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि सीमा शुल्क को सरल बनाना सरकार का अगला बड़ा सुधार एजेंडा होगा। चालू वित्त वर्ष में सरकार ने आयकर और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में दरों को तर्कसंगत बनाने तथा सरलीकरण जैसे सुधार किए। इससे आम आदमी के हाथ में अधिक नकदी आई और उपभोग बढ़ा। सीतारमण ने यहां 'हिंदुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट' में कहा, ''हमें सीमा शुल्क का पूरी तरह कायापलट करना है... हमें इसे इतना सरल बनाना है कि लोगों को पालन करना बोझिल न लगे... पारदर्शिता बढ़ानी होगी।'' उन्होंने कहा कि आयकर में जैसी पारदर्शिता लाई गई है, वैसा ही सीमा शुल्क में भी करने की जरूरत है।

अविश्वास प्रस्ताव का सामना करने के लिए तैयार : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

▪ हमारी सरकार खुली किताब और पारदर्शी है। हम किसी भी चीज़ का सामना करने के लिए तैयार हैं : मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या

हासन (कर्नाटक)/भाषा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शनिवार को कहा कि उनके नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार आठ दिसंबर से शुरू हो रहे विधानसभा सत्र के दौरान विपक्ष द्वारा अविश्वास प्रस्ताव लाये जाने पर उसका सामना करने के लिए तैयार है। उनके साथ उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार भी मौजूद थे।

सिद्दरामय्या ने एक बार फिर कहा कि नेतृत्व के मुद्दे पर वे दोनों आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे।

मुख्यमंत्री ने एक सवाल के जवाब में कहा, ''उन्हें (विपक्ष को) अविश्वास प्रस्ताव, स्थगन प्रस्ताव या कोई अन्य प्रस्ताव लाने दीजिए। हम उसका सामना करने के लिए तैयार हैं। हमारी सरकार खुली किताब और पारदर्शी है। हम किसी भी चीज़ का सामना करने के लिए तैयार हैं।''

हालांकि, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र और विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने स्पष्ट किया कि पार्टी और जद(एस) ने सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के संबंध में अब तक कोई निर्णय नहीं लिया है।

कर्नाटक विधानमंडल का शीतकालीन सत्र आठ दिसंबर से महाराष्ट्र की सीमा से लगे बेलगावी में शुरू होगा और इस महीने की 19 तारीख तक चलेगा।

नेतृत्व के मुद्दे पर पूछे गए सवाल पर प्रतिक्रिया देने से बचते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा, ''आलाकमान जो भी फ़ैसला लेगा, मैं और डी.के. शिवकुमार उसके प्रति प्रतिबद्ध हैं।''

इससे पहले दिन में, बेंगलुरु में शिवकुमार, डॉ भीम राव आंबेडकर की 70वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ विधान सौध से हवाई अड्डे तक गए थे, जिसके बाद राज्य में नेतृत्व के मुद्दे पर दोनों के बीच संभावित चर्चा के बारे में कुछ अटकलें लगाई जा रही थीं।

'हम सभी को मिलकर देश को गुलामी की मानसिकता से मुक्त करना होगा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

▪ आज हर क्षेत्र औपनिवेशिक मानसिकता को त्याग रहा है भारत तथा गर्व के साथ नई उपलब्धियों की ओर अग्रसर है।

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोगों से अगले 10 वर्षों में देश को गुलामी की मानसिकता से पूरी तरह मुक्त करने का शनिवार को आग्रह किया और कई वर्षों की सुस्त आर्थिक विकास को हिंदू विकास दर बताकर पूरी सभ्यता को बदनाम करने की कोशिश करने वाले ''तथाकथित बुद्धिजीवियों'' पर निशाना साधा।

मोदी ने यहां 'हिंदुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट' में कहा कि जब दुनिया अनिश्चितताओं से भरी हुई है, भारत आत्मविश्वास से लबरेज है और वैश्विक मंदी के दौर में विकास की कहानी लिख रहा है। उन्होंने कहा कि कोई भी देश आत्मविश्वास के बिना आगे नहीं बढ़ सकता है और आज हर क्षेत्र औपनिवेशिक मानसिकता को त्याग रहा है तथा गर्व के साथ नई उपलब्धियों की ओर अग्रसर है।

मोदी ने कहा, ''यह औपनिवेशिक मानसिकता विकसित भारत के लक्ष्यों को प्राप्त करने में एक बड़ी रुकावट बन गई है। इसीलिए आज का भारत इस मानसिकता से मुक्त होने के लिए काम कर रहा है।'' उन्होंने कहा कि इस औपनिवेशिक मानसिकता का असर ऐसा है कि आज भी, जब दुनिया के कई लोग भारत को वैश्विक विकास का इंजन बताते हैं, बहुत कम लोग इस उपलब्धि के बारे में गर्व से बात करते हैं। उन्होंने पूछा, ''क्या कभी किसी ने इसे हिंदू विकास दर कहा है?'' उन्होंने लोगों को याद दिलाया कि यह संज्ञा उस समय इस्तेमाल की गई थी जब भारत दो से तीन प्रतिशत की विकास दर तक पहुंचने के लिए भी जूझ रहा था।

मोदी ने कहा कि देश के आर्थिक प्रदर्शन को उसके लोगों के विश्वास से जोड़ा गया था और एक पूरे समाज को गरीबी का पर्याय बनाकर पेश किया गया।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''यह संदेश दिया जा रहा था कि भारत की धीमी विकास दर किसी न किसी तरह हिंदू सभ्यता का ही परिणाम है। और जो लोग आज हर मुद्दे को सांप्रदायिक रंग देते हैं, उन्हें उस समय इस पर कोई आपत्ति नहीं थी। यह संज्ञा किताबों और शोध पत्रों का हिस्सा बन गई।'' मोदी ने कहा, ''भारत में मानसिक गुलामी के बीज बोने वाली मैकाले की नीति 2035 में 200 वर्ष पूरे कर लेगी। इसका मतलब है कि अभी 10 वर्ष बाकी हैं। इसलिए, इन्हीं 10 वर्षों में हम सभी को मिलकर अपने देश को गुलामी की मानसिकता से मुक्त कराना होगा।'' उन्होंने कहा कि भारत उच्च विकास और निम्न मुद्रास्फीति का एक मॉडल है। उन्होंने कहा कि इस वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में देश की 8.2 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि दर दर्शाती है कि वह वैश्विक अर्थव्यवस्था का विकास इंजन बन रहा है।

इंडिगो संकट का पांचवां दिन:

इंडिगो ने 800 से अधिक उड़ानें रद्द की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/नई दिल्ली/भाषा। घरेलू एयरलाइन इंडिगो ने अपने मौजूदा संकट के पांचवें दिन शनिवार को 800 से अधिक उड़ानें रद्द कर दीं। इस बीच सरकार ने हवाई किरायों पर सीमा लगाई है और एयरलाइन को रविवार शाम तक सभी रिफंड प्रक्रिया को पूरा करने का आदेश दिया है। नागर विमानन मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार शुक्रवार को छह महानगरों के हवाईअड्डों से इंडिगो की समय पर उड़ान संचालन दर घटकर 3.7 प्रतिशत रह गई।

अनियमितता पर एयरलाइन के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी

सरकार ने कहा है कि किसी भी तरह की अनियमितता पर एयरलाइन के खिलाफ नियामकीय कार्रवाई की जाएगी।

इंडिगो की उड़ान रद्द होने से हजारों यात्रियों पर असर पड़ा है। इसके चलते मंत्रालय ने शनिवार को एयरलाइन को निर्देश दिया कि रद्द उड़ानों के टिकटों का रिफंड रविवार शाम तक करे और यात्रियों से अलग हुए सामान अगले दो दिनों के भीतर उनके पास पहुंचाए जाएं। एयरलाइन ने शुक्रवार को 1,000 से अधिक उड़ानें रद्द की थीं।

इंडिगो ने कहा कि उसकी टीम समय-निर्धारण को स्थिर करने, देरी कम करने और यात्रियों की सहायता करने के लिए तेजी से काम कर रही है।

एयरलाइन ने अपने बयान में यह भी कहा कि वह रिफंड से संबंधित मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर देख रही है।

89 विशेष रेलगाड़ियां चलाने की घोषणा

विमानन कंपनी इंडिगो द्वारा बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द किए जाने के कारण लोगों को रही परेशानी को दूर करने के लिए रेलवे ने शनिवार को सभी जोन में 89 विशेष ट्रेन चलाने की घोषणा की। रेलवे मंत्रालय की समन्वित योजना के तहत, इन रेलगाड़ियों के कुल 100 फेरों की सबसे कम समय में व्यवस्था की गई। इसके लिए नयी दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, बेंगलुरु, पटना और हावड़ा जैसे प्रमुख शहरों में यात्रा भार का विश्लेषण किया गया। यातायात की स्थिति के आधार पर विशेष रेलगाड़ियों की संख्या और उनके फेरों में और वृद्धि की जा सकती है।

इंडिगो के सीईओ को कारण बताओ नोटिस

विमानन नियामक डीजीसीए ने शनिवार को इंडिगो के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स को कारण बताओ नोटिस जारी कर उड़ानों में भारी व्यवधान के लिए स्पष्टीकरण मांगा है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। लगातार पांच दिनों से इंडिगो की उड़ानों में काफी व्यवधान आ रहा है, सैकड़ों उड़ानें रद्द हो रही हैं । सूत्रों ने बताया कि नोटिस में नियामक ने कहा कि बड़े पैमाने पर परिचालन विफलताएं योजना, निरीक्षण और संसाधन प्रबंधन में महत्वपूर्ण खामियों का संकेत देती हैं। नोटिस में कहा गया है, ''...सीईओ के रूप में आप एयरलाइन के प्रभावी प्रबंधन को सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार हैं, लेकिन आप विश्वसनीय संचालन के लिए समय पर व्यवस्था सुनिश्चित करने और यात्रियों को अपेक्षित सुविधाएं उपलब्ध कराने के अपने कर्तव्य में विफल रहे हैं।''

भाजपा ने अपनी विचारधारा से कभी समझौता नहीं किया : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देवघर (झारखंड)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने शनिवार को दावा किया कि पार्टी ने कभी अपनी विचारधारा से समझौता नहीं किया है।

देवघर में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने झारखंड में 'कमल' (भाजपा का चुनाव चिह्न) खिलाने के लिए कड़ी मेहनत करने का आह्वान किया।

नड्डा ने 2024 के विधानसभा चुनावों के बाद राज्य के अपने पहले दौरे में कहा, ''सभी पार्टियां वंशवादी हो गई हैं, लेकिन भाजपा इससे अछूती है। वंशवादी राजनीति में भी पारिवारिक झगड़े होते हैं। हालांकि मैं गर्व से कह सकता हूं कि हम एकमात्र ऐसी पार्टी हैं जो पूरी तरह से विचारधारा पर काम करती है।''

नड्डा ने कहा, ''मैं 1952 में पैदा नहीं हुआ था। लेकिन इस देश में ऐसे लोग थे जो इस विचार को साझा करते थे कि एक देश में दो निशान, दो विधान, दो प्रधान नहीं होंगे। वह नेता श्यामा प्रसाद मुखर्जी थे, जो जनसंघ के पहले अध्यक्ष बने। 1952 से 2019 तक लगभग चार से पांच पीढ़ियां गुजर गईं।

ओडिशा में छात्रा ने किया आत्मदाह का प्रयास, छह महीने में पांचवां मामला

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में कथित तौर पर आत्मदाह का प्रयास करने के बाद एक स्नातक छात्रा लगभग 90 प्रतिशत तक झुलस गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पिछले छह महीनों में राज्य में इस तरह की यह पांचवीं घटना है। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार रात लांजीबेरना इलाके में यह घटना हुई। छात्रा के परिवार के सदस्य सो रहे थे, तभी उसने यह कदम उठाया। स्नातक की द्वितीय वर्ष की छात्रा को पहले एक स्थानीय अस्पताल ले जाया गया और बाद में राउरकेला के इस्पात सामान्य अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने कहा कि उसकी हालत बेहद गंभीर है। सुंदरगढ़ की पुलिस अधीक्षक अमृतपाल कौर ने बताया, पुलिस ने इस सिलसिले में 25 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जांच से संकेत मिलता है कि वह व्यक्ति छात्रा को प्रताड़ित कर रहा था। पीड़िता की मां ने कहा, शुक्रवार रात परिवार के सभी लोग सोने चले गए थे, जबकि वह पढ़ाई कर रही थी।

सूर्यास्त 07-12-2025 5:52 बजे	सूर्योदय 08-12-2025 6:29 बजे
BSE 85,712.37 (+447.05)	NSE 26,186.45 (+152.70)
सोना 13,373 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 181,385 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

समर्थन मूल्य

भंगिमाएं देख जन की,
कर रहे अब भाव नर्तन।
हो न जाए वोटरों का,
अन्य पक्षों में प्रवर्तन।
इन चुनावों की फसल में,
हो गए सब रिक्त बर्तन।
जो न समझे मर्म जन का,
है नहीं उनको समर्थन।।

किसी तरह का दबाव महसूस नहीं कर रहा हूं : कोहली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 45 गेंद में नाबाद 65 रन की पारी खेलने के बाद कहा कि वह बिना किसी दबाव के खेल रहे हैं। कोहली तीन मैचों की इस श्रृंखला में 302 रन के साथ सर्वोच्च स्कोरर रहे। पहले दो वनडे में शतक जड़ने के बाद तीसरे मैच में भी अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित करने के बाद उन्हें श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। भारत ने शनिवार को दक्षिण अफ्रीका को नौ विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला को 2-1 से जीता।

कोहली ने मैच के बाद पुरस्कार समारोह में कहा, ''ईमानदारी से कहूं तो इस श्रृंखला में मैं जिस तरह से खेला, वह मेरे लिए सबसे संतोषजनक बात है। मैं वास्तव में किसी तरह का दबाव महसूस नहीं कर रहा हूं। मैंने पिछले दो-तीन साल से इस तरह नहीं खेला है।'' उन्होंने कहा, '' मुझे पता है कि जब मैं इस तरह से बल्लेबाजी करता हूं तो यह टीम की बहुत मदद करता है। इससे मुझे आत्मविश्वास मिलता है कि मैं किसी भी स्थिति को संभालकर मैच का रुख टीम की ओर मोड़ सकता हूं।''

कोहली ने माना कि एक बल्लेबाज के रूप में अनुभव चाहे कितना भी हो लेकिन ऐसे हालात आते हैं जब मन में संदेह होने लगता है। उन्होंने कहा, '' जब आप इतने लंबे समय तक खेलते हैं (15-16 साल) तो आप कई बार खुद पर संदेह करने लगते हैं। खासकर एक बल्लेबाज के रूप में जब एक गलती आपको आउट करा सकती है। यह एक खिलाड़ी के रूप में बेहतर होने की पूरी यात्रा है।

भारत-रूस संबंध वैश्विक स्तर पर 'सबसे स्थिर' संबंधों में से एक है : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को कहा कि भारत-रूस साझेदारी पिछले 70-80 वर्षों में ''सबसे स्थिर और अहम संबंधों'' में से एक रही है और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की नई दिल्ली यात्रा का उद्देश्य आर्थिक सहयोग पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए इन संबंधों को ''फिर से परिभाषित'' करना था।

जयशंकर ने इस विचार से असहमति जताई कि पुतिन की यात्रा भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर जारी वार्ताओं को जटिल बना सकती है।

जयशंकर ने 'हिंदुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट' में कहा, ''नहीं, मैं आपसे असहमत हूं। मुझे लगता है कि हर कोई जानता है कि भारत के दुनिया के सभी प्रमुख देशों के साथ बेहतर संबंध हैं।'' जयशंकर से पूछा गया था कि क्या पुतिन की नई दिल्ली की दो दिवसीय यात्रा का प्रस्तावित व्यापार समझौते के लिए अमेरिका के साथ वार्ता पर असर पड़ेगा। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि किसी भी देश की ऐसी अपेक्षा उचित नहीं है कि उसे यह कहने या दखल देने का हक है कि हमारे दूसरे देशों के साथ रिश्ते कैसे हों।'' उन्होंने कहा, ''क्योंकि याद रखिए, दूसरे देश भी वही अपेक्षा कर सकते हैं। मेरा मानना है कि हमने हमेशा स्पष्ट किया है कि हमारे अनेक देशों के साथ संबंध हैं। हमारे पास अपनी पसंद की आजादी है।

जयशंकर ने कहा, ''हम जिसे रणनीतिक स्वायत्तता कहते हैं, उसके बारे में लगातार बात करते रहे हैं और वह जारी भी है। मुझे समझ नहीं आता कि किसी के पास इसके विपरीत अपेक्षा करने का कोई कारण क्यों होना चाहिए।''

विदेश मंत्री ने स्वीकार किया कि ट्रंप प्रशासन का ध्यान व्यापार पर रहा है और कहा कि इस दिशा में भारत का दृष्टिकोण पूरी तरह से राष्ट्रीय हितों से प्रेरित है। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि इस समय व्यापार सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा है। यह स्पष्ट रूप से वाशिंगटन की सोच का केन्द्र बिन्दु है, यह पहले की सरकारों की तुलना में कहीं अधिक महत्वपूर्ण है, जिसे हमने पहचाना है और हम इसका सामना करने के लिए तैयार हैं।''

रूस ने यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर ड्रोन और मिसाइल हमले किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कीव/एपी। रूस ने शुक्रवार को पूरी रात यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए। इससे पहले, अमेरिका और यूक्रेन के अधिकारियों ने कहा था कि वे लगभग चार साल से जारी युद्ध को समाप्त करने के वास्ते तीसरे दिन की बातचीत के लिए शनिवार को मिलेंगे।

बातचीत में युद्ध के बाद यूक्रेन के लिए एक सुरक्षा तंत्र तैयार करने की दिशा में हुई प्रगति के उपरांत दोनों पक्षों ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी वास्तविक समझौते की दिशा में आगे बढ़ना अंततः इस बात पर निर्भर करेगा कि रूस दीर्घकालिक शांति के लिए कितनी गंभीरता दिखाता है।

अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और यूक्रेन के वार्ताकार रुस्टेम उमेरोव तथा आंद्रिय ह्नातोव की ओर से यह बयान शुक्रवार को फ्लोरिडा में हुई दूसरे दिन की बैठक के बाद आया। उन्होंने अब तक हुई प्रगति के बारे में केवल मोटे तौर पर ही कुछ बातें बताईं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चाहते हैं कि कीव और मॉस्को युद्ध समाप्त करने के लिए अमेरिका की ओर से तैयार मध्यस्थता प्रस्ताव पर सहमत हों।

सहज स्मृति योग

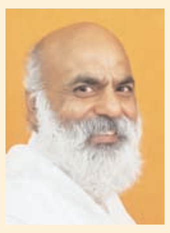

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, पाप और दोष में क्या अंतर है ? पाप कैसे लगता है और दोष कैसे उत्पन्न होता है ?

उत्तर: आत्मा चाहे जीवात्म-स्वरूप हो या महात्म-स्वरूप हो या फिर परमात्म-स्वरूप, एक केवल आत्मा ही है जो सदैव निर्दोष और निष्पाप है। शैशवावस्था में अबोध होने के कारण हमारा आचरण निर्दोष और निष्पाप माना जाता है उसके उपरांत आत्मा की आवाज़ पहचानने की दीक्षा होती है तब या तो अदीक्षित या अनुशासनहीन बने रहने से या फिर दीक्षित होकर आत्मा की आवाज़ सुनकर भी उसको अमल में न लाने से पाप लगता है, जिससे दोष उत्पन्न हो जाता है। दोषी हम दूसरे की दृष्टि में होते हैं,पापी स्वयं अपनी दृष्टि में; दोनों में यही अंतर है। इसलिए दूसरे में दोष दर्शन से बचना चाहिए, वह पाप कर्म है।

कर्नाटक डीएसटी-पीएचडी फेलोशिप की तिथि बढ़ाई गई

बेंगलूरु। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), कर्नाटक सरकार कर्नाटक विज्ञान और प्रौद्योगिकी संवर्धन सोसाइटी (केएसटीईपीएस) के माध्यम से विज्ञान और इंजीनियरिंग में शोध छात्रों के लिए कर्नाटक डीएसटी-पीएचडी फेलोशिप कार्यक्रम को लागू कर रही है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान कार्यक्रम के तहत फेलोशिप प्राप्त करने के लिए कर्नाटक में मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान/कॉलेज में विज्ञान या इंजीनियरिंग में पीएचडी के लिए पहले से ही पंजीकृत पात्र शोध विद्वानों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

अधिसूचना के अनुसार ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 20 दिसंबर 2025, शाम 5.30 बजे तक बढ़ा दी गई है। अधिक जानकारी और आवेदन जमा करने के लिए लिंक के लिए http://ksteps.karnataka.gov.in पर लॉग इन करें।

आर्मी ट्रेनिंग कमांड के सेना कमांडर ने बेंगलूरु का दौरा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, आर्मी ट्रेनिंग कमांड लेफ्टिनेंट जनरल देवेंद्र शर्मा ने 3 से 6 दिसंबर तक बेंगलूरु का दौरा किया। यह दौरा जॉइंटनेस बढ़ाने, ट्रेनिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का रिव्यू करने और भविष्य के लिए तैयार क्षमताओं से संबंधित नई टेक्नोलॉजी का अन्वेषण करने पर केंद्रित था।

सेना कमांडर ने एयर फ़ोर्स ट्रेनिंग कमांड हेडक्वार्टर का भी दौरा किया। एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ एयर मार्शल तेजिंदर सिंह के साथ बातचीत में थल सेना और वायुसेना के बीच जॉइंटनेस और तालमेल को मज़बूत करने पर ज़ोर दिया गया।

डेलाइट सेंटर ऑफ़ इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी के दौरे पर एएससी सेंटर एंड कॉलेज के कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल जेके गेरा के साथ सेना कमांडर को नवीनतम सॉल्यूशंस और सैन्य अभियानों में एआई के संभावित इस्तेमाल के बारे में बताया गया।

पांच दिसंबर को सेना कमांडर ने आर्मी सर्विस कॉर्प्स सेंटर एंड कॉलेज का दौरा किया। इस दौरान उन्हें जारी और भविष्य के सभी ट्रेनिंग कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी गई। जनरल ने ड्रोन, लॉजिस्टिक्स, मैकेनिकल ट्रांसपोर्ट और एयर मेंटेनेंस में हाई टेक्नोलॉजी वाले प्रोजेक्ट्स के खास संदर्भ में एस्टैब्लिशमेंट में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट का रिव्यू किया। उन्होंने उभरती हुई टेक्नोलॉजी को तेज़ी से अपनाने और इनोवेशन को आज की ज़रूरतों के साथ जोड़ने के लिए संस्थान की तारीफ़ की।

सेना कमांडर ने कॉर्प्स ऑफ़ मिलिट्री पुलिस सेंटर एंड स्कूल का दौरा किया। कमांडेंट ब्रिगेडियर मयंक वैद ने ट्रेनिंग प्रोग्राम, मॉडर्नाइज़ेशन की पहल और भविष्य में क्षमता विकास के बारे में जानकारी दी। जनरल ऑफिसर ने बेंगलूरु में रहने वाले सिंध हॉर्स रेजिमेंट के पूर्व सैनिकों से बातचीत की। उन्होंने समुदाय के प्रति सेना की प्रतिबद्धता को दोहराया।

जम्मू कश्मीर, चीन पर 'ऐतिहासिक भूल' नेहरू की विरासत: भाजपा का सोनिया गांधी पर पलटवार

नई दिल्ली/भाषा

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को आरोप लगाया कि पाकिस्तान और चीन को भारतीय क्षेत्र पर कब्जा करने की अनुमति देना तथा जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा देना जैसी ऐतिहासिक भूल जवाहरलाल नेहरू की विरासत है। भाजपा ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी पर भी उनके इस आरोप के लिए निशाना साधा कि मौजूदा सरकार का मुख्य उद्देश्य नेहरू को बदनाम करना है।

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष के आरोपों को लेकर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने पलटवार करते हुए कहा कि सोनिया गांधी ने अपने आरोप में जिस शब्द का प्रयोग किया, वह उनके बेटे राहुल गांधी का ''समानार्थी'' है।

सोनिया गांधी ने आरोप लगाया था कि सत्तारूढ़ भाजपा का लक्ष्य न केवल देश के पहले प्रधानमंत्री की विरासत को ''मिटाना'' है, बल्कि उनकी सामाजिक और राजनीतिक बुनियादों को ''नष्ट'' करना है।

भाटिया ने आरोप लगाया, ''अगर आज भारतीय राजनीति में कोई 'भस्मासुर' है, तो वह राहुल गांधी हैं। उन्होंने महाराष्ट्र में शरद पवार और उद्धव ठाकरे की पार्टियों को बर्बाद कर दिया, और फिर लोकसभा चुनाव के दौरान दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की पार्टी के साथ गठबंधन करके उन्हें बर्बाद किया।''

उन्होंने कहा, ''हाल में बिहार (चुनाव) में तेजस्वी यादव को नष्ट करने के बाद, वह अब उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव को नष्ट करने के लिए जा रहे हैं।''

सोनिया गांधी ने शुक्रवार को दावा किया था कि देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को बदनाम करने के 'प्रोजेक्ट' को आगे बढ़ाया जा रहा है तथा वर्तमान सरकार का मुख्य उद्देश्य भी यही है। उन्होंने यहां 'जवाहर भवन' में आयोजित एक कार्यक्रम में यह भी कहा कि इस 'प्रोजेक्ट' का सामूहिक रूप से मुकाबला करना होगा।

गांधी ने आधुनिक भारत के निर्माण में नेहरू के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि आज न सिर्फ उनके व्यक्तित्व एवं उनके योगदान को कमतर करने के प्रयास किये जा रहे हैं, बल्कि उनकी बहुआयामी विरासत को भी कमजोर करने की कोशिश की जा रही है।

उनके आरोप पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए भाटिया ने पूछा, ''नेहरू की विरासत क्या है?''

भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया, ''नेहरू की विरासत में संविधान में अनुच्छेद 370 को शामिल करना, चीन के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का सदस्य बनने का प्रस्ताव ठुकराना तथा पाकिस्तान और चीन, दोनों को भारतीय क्षेत्र पर कब्जा करने की अनुमति देना शामिल है।'' उन्होंने सोनिया गांधी से इन 'ऐतिहासिक भूलों' पर जवाब मांगा।

महापरिनिर्वाण दिवस

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता नई दिल्ली में बीआर अंबेडकर की 69वीं पुण्यतिथि पर नेशनल मेमोरियल पर आयोजित 'महापरिनिर्वाण दिवस' में शामिल हुईं।

दौरा

अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार से सम्मानित, कन्नड़ भाषा की लेखिका बानू मुश्ताक ने शनिवार को सपना बुक हाउस का दौरा किया। उन्होंने कहा कि मैंने कई देशों की यात्रा की है। 'मैंने कई संस्कृतियाँ देखी हैं। इस यात्रा के बाद, मेरी धारणाएँ बदल गई हैं। मैं ज़्यादा खुल गई हूँ।' बानो मुश्ताक ने सपना बुक हाउस में कथाकार जोगी के साथ बातचीत में भाग लिया। इस मौके पर सपना के कन्नड़ विभाग से दोड्डेगौड़ा और अभिरुचि प्रकाशन से गणेश उपस्थित थे।

अंबेडकर को श्रद्धांजलि देने के लिए मुंबई में चैतन्यभूमि पर हजारों लोग जुटे

मुंबई/भाषा। समाज सुधारक डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए शनिवार को हजारों लोग मुंबई के दादर इलाके में स्थित उनके स्मारक पर एकत्र हुए।अंबेडकर की पुण्यतिथि को महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में मनाया जाता है।हर साल छह दिसंबर को चैतन्यभूमि पर आयोजित होने वाले सरकारी कार्यक्रम में हजारों लोग शामिल होते हैं। अंबेडकर का 1956 में आज ही के दिन निधन हो गया था।अंबेडकर के समर्थकों की भारी भीड़ को देखते हुए, बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने शिवाजी पार्क में जरूरी इंतजाम किए थे। इस मौके पर महाराष्ट्र के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और शिवसेना (उबाठा) के नेता उद्धव ठाकरे समेत कई नेताओं ने शिवाजी पार्क में स्थित 'चैतन्यभूमि' पर अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की।

राज्यपाल ने कहा कि अंबेडकर ने देश को ऐसा संविधान दिया, जिसने सभी लोगों को समान अधिकार सुनिश्चित किए।डॉ. अंबेडकर के 69वें महापरिनिर्वाण दिवस पर 'चैत्यभूमि' में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में देवव्रत ने कहा कि महान व्यक्ति सामाजिक न्याय के आंदोलनों को मजबूत करते हैं और अपने विचारों एवं कार्यों के जरिये हमेशा जीवित रहते हैं। उन्होंने कहा, विपरीत परिस्थितियों के बावजूद, बाबासाहेब का मानना था कि शिक्षा परिवार, समाज और देश का भविष्य बदलने का सबसे शक्तिशाली हथियार है। संविधान ने विभिन्न समुदायों के लोगों को एकजुट किया और सभी के लिए समान अधिकार सुनिश्चित किए। वहीं, फडणवीस ने कहा कि अंबेडकर ने राष्ट्र की प्रगति की नींव रखी और उनकी दूरदर्शी सोच के कारण भारत आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है ।

चक्रीय अर्थव्यवस्था से डेयरी किसानों की आय पांच साल में 20 फीसदी बढ़ जाएगी: अमित शाह

सणादर (गुजरात)/भाषा। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को विश्वास जताया कि देश भर में चक्रीय अर्थव्यवस्था मॉडल के कार्यान्वयन से अगले पांच वर्षों में डेयरी किसानों की आय में 20 प्रतिशत वृद्धि होगी।

शाह ने यह बात गुजरात के वाव-थराद जिले के सणादर गांव में आयोजित एक कार्यक्रम में कही, जो डेयरी के जैव-सीएनजी और उर्वरक संयंत्र के उदघाटन और दूध पाउडर संयंत्र के शिलान्यास के अवसर पर आयोजित किया गया था। उन्होंने इस अवसर पर बनास डेयरी से जुड़े पशुपालकों को संबोधित किया। उन्होंने डेयरी क्षेत्र में चक्रीय अर्थव्यवस्था के सफल मॉडल को विकसित करने के लिए बनास डेयरी के प्रबंधन की सराहना की। इस मॉडल में किसानों के लिए अतिरिक्त आय उत्पन्न करने के कई उपाय शामिल हैं, जैसे कि मवेशियों के गोबर को बायोगैस और जैव-उर्वरक में परिवर्तित करना।

चक्रीय अर्थव्यवस्था में चीजों को इस्तेमाल करके फेंकने की बजाय उनकी मरम्मत, पुनर्चक्रण और पुन: उपयोग पर जोर दिया जाता है, जिससे कचरा और प्रदूषण कम होता है और संसाधनों का अधिकतम उपयोग किया जा सकता है।

चार बेटियों वाले दंपत्ति ने अपहृत बच्चे को खरीदा, पांच आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा

दिल्ली पुलिस ने सीलमपुर मेट्रो स्टेशन से एक बच्चे का अपहरण और तस्करी करने के आरोप में सात महीने से फरार चल रही एक महिला समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। डेढ़ महीने के इस बच्चे का जून में अपहरण कर लिया गया था और उसे सकुशल बरामद कर उसकी मां से मिलवाया गया है।

पुलिस ने बताया कि बच्चे को खरीदने वाले दंपती (40 वर्षीय धीर सिंह और उनकी पत्नी बनीता) ने ऐसा इसलिए किया क्योंकि उनकी चार बेटियां हैं और वे एक बेटा चाहते थे। दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी देवकी (22) महीनों से लगातार अपने ठिकाने बदल रही थी और आखिरकार उत्तर प्रदेश के महोबा जिले में एक किराए के मकान से उसे पकड़ लिया गया।

उसने कथित तौर पर चार जून को मेट्रो स्टेशन से नवजात का अपहरण किया था और बाद में उसे दिल्ली के आर्य नगर में डेढ़ लाख रुपए में बेच दिया था। शास्त्री पार्क मेट्रो पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 137(2) (अपहरण) के तहत मामला दर्ज किया गया, लेकिन शिशु और आरोपी को ढूंढने के शुरुआती प्रयासों में कोई सफलता नहीं मिली। बाद में जांच मेट्रो यूनिट के चोरी निरोधक दस्ते को सौंप दी गई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि तकनीकी और शारीरिक खुफिया जानकारी से देवकी के महोबा में होने का संकेत मिला।

पूछताछ के दौरान, देवकी ने अपहरण और बच्चे को बेचने में शामिल अन्य लोगों की पहचान की। पुलिस ने बताया कि उसने गांधी नगर की एक आंगनवाड़ी सहायिका मंजू देवी (44) के कहने पर शिशु का अपहरण किया था, जबकि इस लेन-देन में घरेलू काम करने वाली शीला (35) ने मध्यस्थता की थी।

पूजा

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा झारखंड के देवघर में बाबा बैद्यनाथ धाम की अपनी यात्रा के दौरान पूजा-पाठ करते हुए।

क्या राम मोहन नायडू इंडिगो संकट की जिम्मेदारी लेंगे? : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा

कांग्रेस ने इंडिगो से जुड़े संकट को लेकर शनिवार को केंद्र सरकार पर 'डुओपॉली' (सिर्फ दो कंपनियों का एकाधिकार) की नीति अपनाने का आरोप लगाया और सवाल किया कि क्या नागरिक उड्डयन मंत्री के. राम मोहन नायडू इस वर्तमान स्थिति के लिए जिम्मेदारी लेंगे और माफी मांगेंगे।

पार्टी नेता और लोकसभा सदस्य शशिकांत सेंथिल ने यह भी कहा कि जब आठ जनवरी, 2024 को उड़ान ड्यूटी समय सीमा नियम जारी कर दिए गए थे, तो यह सुनिश्चित क्यों नहीं किया गया कि वर्तमान स्थिति पैदा ना हो।

सेंथिल ने संवाददाताओं से कहा, वर्तमान इंडिगो संकट भाजपा सरकार द्वारा विमानन क्षेत्र में जबरन डुओपॉली (सिर्फ दो कंपनियों का एकाधिकार) बनाने की कोशिश का सीधा परिणाम है और उसकी विनाशकारी परिणति आज पूरे देश के सामने है। उन्होंने कहा कि पांच दिसंबर, 2025 को इंडिगो द्वारा 1,000 से अधिक उड़ानें रद्द करने तथा छह दिसंबर को सैकड़ों और उड़ानों के रद्द होने से देश में हवाई यात्रा पूरी तरह ठप हो गई।

उन्होंने आरोप लगाया कि यह संकट उस भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) सरकार की नीतियों का पूर्वानुमानित परिणाम है, जो प्रतिस्पर्धा को कुचलने, पसंदीदा कॉरपोरेट समूहों को पुरस्कृत करने और एक पूरे राष्ट्रीय उद्योग को कुछ चुनिंदा मित्रों के हित में पुनर्गठित करने पर तुली हुई है।

सेंथिल ने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा ''विमानन सुरक्षा से किया गया खिलवाड़ उसकी लापरवाही की पराकाष्ठा'' को दिखाता है।

उनके मुताबिक, आठ जनवरी 2024 को 'उड़ान ड्यूटी समय सीमा' नियम जारी करने के बाद और एक जुलाई 2025 से आंशिक रूप से लागू करने के बाद, भाजपा सरकार ने इस क्षेत्रव्यापी अव्यवस्था के बीच इन महत्वपूर्ण सुरक्षा नियमों को शर्मनाक तरीके से वापस ले लिया। उन्होंने कहा, यह सिर्फ गैर-जिम्मेदाराना नहीं, बल्कि घोर आपत्तिजनक भी है। पायलट को थकान से बचाने के लिए बनाए गए इन नियमों को हटाकर, भाजपा सरकार ने यात्री सुरक्षा को खतरे में डाल दिया है और चालक दल की भलाई को अनिश्चितता में धकेल दिया है।

लोकसभा सदस्य ने सवाल किया, भाजपा सरकार ने पिछले 11 वर्षों में विमानन क्षेत्र को प्रतिस्पर्धी और विविध बनाने की बजाय इसे एकाधिकार और 'डुओपॉली' में सिमटने क्यों दिया? डीजीसीए यह सुनिश्चित करने में क्यों विफल रहा कि इंडिगो जनवरी 2024 में जारी किए गए नियमों का पालन करे? क्या सरकार ने इंडिगो को कोई चेतावनी या पालन नोटिस दिया या विमानन कंपनी को नियमों से पूरी तरह बचाया गया?

'इंडिया' गठबंधन जीवन रक्षक प्रणाली पर : उमर अब्दुल्ला

नई दिल्ली/भाषा

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री और नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन इस समय जीवन रक्षक प्रणाली पर है और अंदरूनी खींचतान एवं भाजपा की 24 घंटे चलने वाली चुनावी मशीन से मुकाबला करने में विफलता के कारण उसके 'आईसीयू' में जाने का खतरा है।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित 'हिंदुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट' में विपक्षी गठबंधन की ''संगठनात्मक और रणनीतिक विफलताओं'' का विस्तार से उल्लेख किया और केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 'अद्वितीय' कार्य नीति के साथ इसके दृष्टिकोण की तुलना की।

अब्दुल्ला ने विपक्षी 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस) की वर्तमान स्थिति, विशेष रूप से हाल में हुए बिहार चुनावों के बाद, के बारे में कहा, ''हम एक तरह से जीवन रक्षक प्रणाली पर हैं, लेकिन कभी-कभी कोई अपना चप्पू निकालता है और हमें थोड़ा झटका देता है, और हम फिर से उठ खड़े होते हैं। लेकिन फिर, दुर्भाग्य से, बिहार जैसे परिणाम आते हैं, और हम फिर से नीचे गिर जाते हैं, और फिर किसी को हमें आईसीयू में ले जाना पड़ता है।''

अब्दुल्ला ने नीतीश कुमार की भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में वापसी के लिए भी ' इंडिया' गठबंधन को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, ''मेरा मानना है कि हमने नीतीश कुमार को वापस राजग की गोद में धकेल दिया।'' उन्होंने

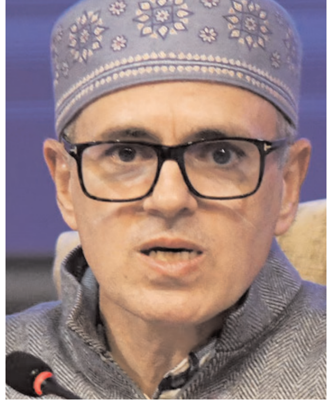

विपक्षी गठबंधन द्वारा एकजुट दृष्टिकोण अपनाने में विफलता की ओर भी इशारा किया, तथा बिहार में पार्टी की मौजूदगी के बावजूद सीट-बंटवारे की व्यवस्था से जानबूझकर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) को बाहर रखने के निर्णय का हवाला दिया।

अब्दुल्ला ने 'इंडिया' गठबंधन के चुनाव प्रचार की तुलना भाजपा से की और कहा कि विपक्षी गठबंधन संरचनात्मक रूप से सत्तारूढ़ पार्टी के अनुशासित दृष्टिकोण के साथ प्रतिस्पर्धा करने में असमर्थ है। उन्होंने कहा, ''उनके पास एक अद्वितीय चुनाव मशीन है'', तथा यह ताकत केवल संगठन और वित्तपोषण से कहीं अधिक है।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''चुनावों के मामले में भी उनकी कार्यशैली अद्भुत है... वे हर चुनाव ऐसे लड़ते हैं मानो उनकी ज़िंदगी उस पर निर्भर हो। हम कभी-कभी चुनाव ऐसे लड़ते हैं मानो हमें कोई परवाह ही नहीं है।''

अब्दुल्ला ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी टीम द्वारा अपनाए गए राजनीति के चौबीस घंटे मॉडल को रेखांकित करते हुए कहा, ''एक चुनाव खत्म होते ही वे अगले क्षेत्र में चले जाते हैं... हम चुनाव से दो महीने पहले उन राज्यों में कदम रखते हैं। अगर हम नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख से पहले अपने चुनावी गठबंधन बना लें, तो हम भाग्यशाली होंगे।'' उन्होंने भविष्य की रणनीति पर कहा कि विपक्ष के लिए (भाजपा को) गंभीर चुनौती देने का एकमात्र तरीका अपने सबसे बड़े घटक दल कांग्रेस के इर्द-गिर्द एकजुट होना है क्योंकि भाजपा के अलावा वह एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसकी अखिल भारतीय उपस्थिति है।

अब्दुल्ला ने स्वीकार किया कि क्षेत्रीय दल अपनी सीमित भौगोलिक पहुंच के कारण विवश हैं। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस को ही प्रमुखता से काम करना होगा।''

अंबेडकर ने देश में उन लोगों के लिए लड़ाई लड़ी जिन्हें सामाजिक न्याय नहीं मिला : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि अंबेडकर एक महान व्यक्ति और देश के एक दुर्लभ नेता थे। उन्होंने न केवल दलितों, बल्कि सभी उत्पीड़ितों को सम्मान दिलाने का प्रयास किया और देश में जिन लोगों को सामाजिक न्याय नहीं मिल रहा था, उनके लिए संघर्ष किया। उन्होंने संविधान निर्माता, भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. बी. आर. अंबेडकर की 69वें महा परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर समाज कल्याण विभाग की ओर से विधान सौधा के पूर्वी भाग में स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद मीडिया से बात की।

उन्होंने कहा कि बाबासाहेब अंबेडकर देश के संविधान के निर्माता हैं। उन्होंने इस बात पर विचार किया कि देश को किस तरह के संविधान की आवश्यकता है, दूसरे देशों के संविधानों का अध्ययन किया और देश को जिस संविधान की आवश्यकता थी, उसे दिया। बाबासाहेब आंबेडकर ने संविधान में स्पष्ट रूप से कहा था कि हमारी सामाजिक व्यवस्था बदलनी चाहिए, सभी को समान अवसर प्रदान किए जाने चाहिए और सामाजिक न्याय की स्थापना होनी चाहिए। हमारी सरकार स्कूली और कॉलेज के बच्चों को इस बारे में जागरूक करने के लिए संविधान की प्रस्तावना पढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि संविधान ने सभी को अधिकार और कर्तव्य दिए हैं। सरकार ने इसे इसलिए लागू किया है क्योंकि संविधान के उद्देश्य सभी को समझ में आने चाहिए। परिनिर्वाण दिवस पर, हमने अंबेडकर को याद करने का काम किया है। बाबासाहेब अंबेडकर ने अपने अंतिम दिनों में बौद्ध धर्म अपना लिया था। वे हिंदू पैदा हुए थे, लेकिन हिंदू मर नहीं सकते। उन्होंने कहा था कि हिंदू धर्म में सुधार लाने की कोशिश करने और उसमें असफल होने के बाद उन्होंने बौद्ध धर्म अपना लिया। उन्होंने कहा कि उन्होंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि वे हिंदू धर्म की सामाजिक व्यवस्था से नाराज़ थे। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे सहित अनेक मंत्रीगण उपस्थित थे।

नेशनल हेराल्ड मामला : शिवकुमार ने दिल्ली पुलिस के नोटिस को 'उत्पीड़न' बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने नेशनल हेराल्ड' मामले की जांच के तहत वित्तीय और लेनदेन संबंधी विवरण मांगने के लिए दिल्ली पुलिस की ओर से जारी नोटिस को शनिवार को उत्पीड़न करार दिया और कहा कि वह इसे कानूनी रूप से चुनौती देंगे। कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष शिवकुमार ने इस कदम की निंदा करते हुए सवाल किया कि जब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पहले ही इस मामले में आरोप पत्र दाखिल कर चुका है, तो अलग से पुलिस जांच की क्या जरूरत है।

आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) की ओर से जारी नोटिस में कहा गया है कि शिवकुमार के पास 'नेशनल हेराल्ड' मामले से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी होने की संभावना है। इस साल अक्टूबर को कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ यह मामला दर्ज किया गया था।

शिवकुमार ने कहा, यह मेरे लिए बहुत चौंकाने वाला है। मैंने ईडी को सभी जानकारी दी हैं। ईडी ने मुझे और मेरे भाई (पूर्व सांसद डीके सुरेश) को भी तलब किया था। इसमें कुछ भी गलत नहीं है, यह (नेशनल हेराल्ड, यंग इंडिया) हमारा (पार्टी का) संस्थान है और हम कांग्रेस सदस्य होने के नाते इस संस्थान की मदद करते हैं। इस मामले में कुछ भी छिपा नहीं है, सब कुछ साफ है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, मुझे नहीं पता। जब ईडी आरोप पत्र दाखिल कर चुकी है, तो पुलिस (दिल्ली पुलिस) को मामला दर्ज करने की कोई जरूरत नहीं थी। हम इस मामले पर अदालत में कानूनी लड़ाई लड़ेंगे।

ईओडब्ल्यू ने 29 नवंबर की तारीख वाले नोटिस में शिवकुमार को 19 दिसंबर तक या उससे पहले पेश होने या मांगी गई जानकारी प्रदान करने का निर्देश दिया है। इस कदम को सिर्फ उत्पीड़न करार देते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा, इसमें है ही क्या? यह हमारा पैसा है, हम इसे किसी को भी दे सकते हैं, जिसे चाहें, जब हम कर भरते हैं। इसमें कोई मुद्दा ही नहीं है।

कर्नाटक में कानून-व्यवस्था पर विपक्ष के सवाल का विधानसभा में जवाब देंगे गृह मंत्री परमेश्वर

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने शनिवार को कहा कि अगर विपक्ष सरकार पर निशाना साधने के लिए कर्नाटक में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाता है, तो वह राज्य विधानसभा में उचित जवाब देंगे। विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने स्पष्ट किया है कि शीतकालीन सत्र के दौरान कानून-व्यवस्था की स्थिति उन मुख्य मुद्दों में से एक होगी जिन्हें वह उठाएगी।

कर्नाटक विधानमंडल का शीतकालीन सत्र आठ से 19 दिसंबर तक बेलगावी में आहूत किया गया। परमेश्वर ने एक सवाल के जवाब में संवाददाताओं से कहा, अगर वे (विपक्ष सवाल उठाता है) तो मैं (विधानसभा में) इस बारे में उचित जवाब दूंगा कि कर्नाटक और भाजपा शासित राज्यों में कानून-व्यवस्था की स्थिति कैसी है। साथ ही, जब भाजपा राज्य में सत्ता में थी तब कानून-व्यवस्था कैसी थी और अब आंकड़ों के मामले में कैसी है।

उन्होंने कहा कि वह यह नहीं कह रहे हैं कि राज्य में कोई घटना नहीं हुई है, लेकिन यह बताना जरूरी है कि भाजपा के शासन में हालात कैसे थे और अब कैसे हैं।

भाजपा नौ दिसंबर को सुवर्ण विधान सौधा का घेराव करेगी : विजयेंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने शनिवार को कहा कि पार्टी बड़ी संख्या में किसानों के साथ नौ दिसंबर को राज्य विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दौरान बेलगावी में सुवर्ण विधान सौध का घेराव करेगी। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि इस विरोध-प्रदर्शन का उद्देश्य राज्य से संबंधित विभिन्न मुद्दों और कांग्रेस सरकार की विफलताओं' को उजागर करना है।

विजयेंद्र ने कहा कि भाजपा और जनता दल सेक्युलर (जदएस) ने सत्र के दौरान मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने पर चर्चा नहीं की। कर्नाटक विधानमंडल का शीतकालीन सत्र आठ से 19 दिसंबर तक बेलगावी में होगा।

विजयेंद्र ने बेंगलूरु में संवाददाताओं से कहा, शीतकालीन सत्र सोमवार से बेलगावी में शुरू हो रहा है। विपक्ष के नेताओं, भाजपा-जदएस के नेताओं और मैंने राज्य की चिंताओं को उठाने, कांग्रेस सरकार की विफलताओं को उजागर करने और उत्तर कर्नाटक से संबंधित मुद्दों, सिंचाई और किसानों पर चर्चा करने के लिए अपनी रणनीति पर विस्तार से चर्चा की है।

यह पूछे जाने पर कि क्या विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव लाने की योजना बना रहा है, विजयेंद्र ने कहा कि अब तक इस पर कोई चर्चा नहीं हुई है। उन्होंने कहा, अगर सत्ताधारी दल के सदस्य खुद सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाएं, तो इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी। विजयेंद्र ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को रद्द करने के बाद राज्य में नयी शिक्षा नीति के कार्यान्वयन में देरी के लिए भी सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा, हम सत्र में इन मुद्दों को उठाएंगे।

इंडिगो की उड़ानें रद्द होने के बाद रेलवे ने 84 विशेष रेलगाड़ियां चलाने की घोषणा की

दक्षिण पश्चिम रेलवे ने कई शहरों के लिए ट्रेन की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/बेंगलूरु। विमानन कंपनी इंडिगो द्वारा बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द किए जाने के कारण लोगों को रही परेशानी को दूर करने के लिए रेलवे ने शनिवार को सभी जोन में 84 विशेष ट्रेन चलाने की घोषणा की। रेलवे मंत्रालय की समन्वित योजना के तहत, इन रेलगाड़ियों के कुल 104 फेरों की सबसे कम समय में व्यवस्था की गई। इसके लिए नयी दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, बेंगलूरु, पटना और हावड़ा जैसे प्रमुख शहरों में यात्रा भार का विश्लेषण किया गया।

रेलवे बोर्ड के सूचना एवं प्रचार विभाग के कार्यकारी निदेशक दिलीप कुमार ने कहा, यातायात की स्थिति के आधार पर विशेष रेलगाड़ियों की संख्या और उनके फेरों में और वृद्धि की जा सकती है। सभी जोन से कहा गया है कि वे कर्मचारियों और डिब्बों जैसे उपलब्ध सभी संसाधनों का उपयोग करके इन रेलगाड़ियों का सुरक्षित परिचालन करें, ताकि देश के विभिन्न

हिस्सों में उड़ान रद्द होने के कारण फंसे लाखों यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित हो सके।''

दक्षिण पूर्व रेलवे ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर हवाई अड्डा प्राधिकरण को नयी शुरू की गई विशेष रेलगाड़ियों की जानकारी प्रदर्शित करने को कहा है। एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, ''पश्चिम रेलवे मुंबई सेंट्रल-नयी दिल्ली, मुंबई सेंट्रल-भिवानी, मुंबई सेंट्रल-शकूरबस्ती, बांद्रा टर्मिनस-दुर्गापुरा, वलसाड-बिलासपुर, साबरमती-दिल्ली और साबरमती-दिल्ली सराय रोहिल्ला स्टेशन के बीच सात विशेष ट्रेन का परिचालन करेगा।''

दक्षिण पश्चिम रेलवे के जन सम्पर्क अधिकारी प्रणेश ने बताया कि विशेष सेवाएं छह से 10 दिसंबर के बीच बेंगलूरु-चेन्नई, बेंगलूरु-पुणे, यशवंतपुर-हजरत निजामुद्दीन, शालीमार-यलहंका और एर्नाकुलम-यलहंका सहित अधिक यात्री भार वाले मार्गों पर संचालित होंगी। इसी तरह, दक्षिण मध्य रेलवे ने शनिवार को घोषणा की कि वह इंडिगो की उड़ानों के बड़े पैमाने पर रद्द होने के कारण यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए चार विशेष ट्रेन का परिचालन करेगा।

दक्षिण मध्य रेलवे ने विज्ञप्ति में कहा कि वह शनिवार को हैदराबाद से चेन्नई, मुंबई और शालीमार (कोलकाता) जाने वाले यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए विशेष ट्रेनें चला रहा है। लगातार कम से कम पांच दिनों से इंडिगो की उड़ानों का परिचालन बुरी तरह प्रभावित हुआ है, बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द और विलंबित होने से हजारों यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

मध्य रेलवे और उत्तर रेलवे ने क्रमशः 14 और 10 विशेष ट्रेन का संचालन करने की योजना बनाई है। अधिकारियों ने बताया कि बढ़ती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इन संख्याओं की समीक्षा की जा रही है। अन्य जोन ने भी विशेष रेलगाड़ियों के बारे में अधिसूचनाएं और उनकी समयसारणी जारी की हैं।

दो गुटों के बीच झड़प में कांग्रेस कार्यकर्ता की मौत

चिक्कमगलूरु। जिले में दो समूहों के बीच झड़प के दौरान कांग्रेस के एक कार्यकर्ता की कथित तौर पर हत्या कर दी गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान ग्राम पंचायत सदस्य गणेश गौड़ा (38) के रूप में हुई है। उसने बताया कि यह घटना शुक्रवार रात कडूर तालुका के सखारायपटना में हुई। पुलिस के मुताबिक, रात करीब साढ़े नौ बजे एक मठ के पास बैनर को लेकर दो समूहों के बीच झगड़ा हो गया। उसने बताया कि झगड़े के दौरान दोनों गुटों के कई सदस्यों के सिर में गंभीर चोटें आईं, जिसके बाद उन्हें चिक्कमगलूरु जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस के अनुसार, गौड़ा की हत्या से पहले दोनों समूहों के बीच सखारायपटना में एक बार के पास झड़प हुई थी। उसने बताया कि उस विवाद के लगभग आधे घंटे बाद ही मठ के पास हमला हुआ। पुलिस ने बताया कि इस घटना के संबंध में सखारायपटना थाने में मामला दर्ज किया गया है। बेंगलूरु में संवाददाताओं से बातचीत में राज्य के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि जांच से हमले के पीछे के कारणों का पता चलेगा और पुलिस उचित कार्रवाई के बाद सरकार को रिपोर्ट सौंपेगी।

लिटरेचर फेस्टिवल

बेंगलूरु में शनिवार को फ्रीडम पार्क में बेंगलूरु लिटरेचर फेस्टिवल के 14वें एडिशन के दौरान किताबें देखते विज़िटर।

पुष्पांजलि

बेंगलूरु के लोकभवन में भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. बी. आर. अंबेडकर की 69वें महा परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर बाबा साहेब की प्रतिमा को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए लोकभवन के अधिकारीगण।

कुमारस्वामी 'मनुवादी' हैं : सिद्दरामय्या

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी पर निशाना साधा और उन्हें भाजपा के साथ गठबंधन के बाद छात्रों के पाठ्यक्रम में भगवद गीता को शामिल करने की मांग के लिए शनिवार को 'मनुवादी' करार दिया। कुमारस्वामी ने हाल ही में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पत्र लिखकर छात्रों के पाठ्यक्रम में भगवद गीता को शामिल करने का अनुरोध किया था। इसी के बाद मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री की आलोचना की है।

सिद्दरामय्या ने यहां भीमराव अंबेडकर के 70वें महापरिनिर्वाण पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद संवाददाताओं से कहा, ''कुमारस्वामी ने चुनावों के लिए भाजपा से हाथ मिलाया और इसके बाद से वह मनुवादी बन गए हैं।'' मुख्यमंत्री ने अंबेडकर को याद करते हुए संविधान में उनके योगदान और सामाजिक न्याय प्रदान करने के लिए उनके अथक संघर्ष पर प्रकाश डाला। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि हिंदू धर्म में सामाजिक और जाति व्यवस्था से तंग आकर तथा इसमें सुधार न कर पाने के कारण अंबेडकर ने बौद्ध धर्म स्वीकार कर लिया। उन्होंने कहा, ''अंबेडकर ने अपने जीवन के अंतिम समय में हिंदू धर्म छोड़ दिया और बौद्ध धर्म अपना लिया। उनका जन्म हिंदू धर्म में हुआ था, लेकिन वे हिंदू धर्म में नहीं मर सकते थे, क्योंकि कई प्रयासों के बावजूद वे हिंदू धर्म में सुधार नहीं ला सके।

मदुरै के नये फ्लाईओवर का नाम वीरमंगई वेलुनाचियार के नाम पर होगा : स्टालिन

मदुरै। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शनिवार को घोषणा की कि यहां थिरुनगर-मेलामदई चौराहे पर बने एक नये फ्लाईओवर का नाम 18वीं सदी के स्वतंत्रता सेनानी वीरमंगई वेलुनाचियार के नाम पर रखा जाएगा। सरकार द्वारा जारी की गई एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि 150.28 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 950 मीटर लंबे फ्लाईओवर का उद्घाटन सात दिसंबर को किया जाएगा। इसका उद्देश्य व्यस्त मदुरै-थोंडी मार्ग पर यातायात की भीड़ को कम करना है। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह सड़क अन्ना बस अड्डा चौराहे से शुरू होकर आविन और मेलामदई से होते हुए मदुरै रिंग रोड से जुड़ती है और शिवगंगा जिले के पूवंथी में समाप्त होती है। यह मदुरै और शिवगंगा जिलों को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण राज्य राजमार्ग है।

पुलिसकर्मियों के कदाचार के बढ़ते मामलों के बीच उनकी पृष्ठभूमि की जांच के आदेश दिए गए

बेंगलूरु। कर्नाटक के पुलिस महानिदेशक एवं महानिरीक्षक एम ए सलीम ने डकैती, चोरी और धोखाधड़ी में पुलिसकर्मियों की संलिप्तता के बढ़ते मामलों के मद्देनजर सभी पुलिस इकाइयों को पुलिस बल में कदाचार को रोकने के लिए नियमित रूप से पृष्ठभूमि की जांच, निष्ठा मूल्यांकन और काउंसलिंग करने का निर्देश दिया। सलीम ने चेतावनी दी कि आपराधिक कृत्यों में लिप्त पाए जाने वाले हर पुलिस अधिकारी या कर्मचारी के खिलाफ 'कड़ी' अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस महानिदेशक ने पांच दिसंबर को सभी पुलिस अधीक्षकों, क्षेत्रीय प्रमुखों और पुलिस आयुक्तों को जारी एक परिपत्र में कहा कि आपराधिक या अवैध गतिविधियों में पुलिसकर्मियों की संलिप्तता पूरी तरह से अस्वीकार्य है। उन्होंने हाल की घटनाओं का हवाला दिया, जिनमें दावणगेरे और बेंगलूरु का मामला शामिल था।

दावणगेरे में दो पुलिस उपनिरीक्षकों को पुलिस महानिरीक्षक दस्ते का अधिकारी बनकर एक स्वर्ण व्यापारी को लूटने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था, वहीं गोविंदपुरा के एक कांस्टेबल को नकदी प्रबंधन फर्म के एक पूर्व कर्मचारी के साथ मिलीभगत कर सुनियोजित तरीके से नकदी लूट में शामिल होने के लिए गिरफ्तार किया गया। सलीम ने कहा, ''ये घटनाएं पुलिस बल को शर्मसार करती हैं, जनता के विश्वास को ठेस पहुंचाती हैं और संपूर्ण कानून प्रवर्तन तंत्र की ईमानदारी पर संदेह पैदा करती हैं।''

विहिप की कर्नाटक में मवेशी परिवहन कानून में ढील के खिलाफ राज्यव्यापी आंदोलन की चेतावनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उडुपी। विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) ने शनिवार को कर्नाटक मवेशी वध रोकथाम एवं संरक्षण अधिनियम, 2020 में प्रस्तावित संशोधन को तत्काल वापस लेने की मांग की और राज्य सरकार पर अवैध मवेशी परिवहन को रोकने वाले कानून को कमजोर करने का आरोप लगाया। संगठन की गो रक्षा शाखा, कर्नाटक दक्षिण ने 8 दिसंबर को जिला स्तरीय विरोध प्रदर्शन की घोषणा भी की है।

अधिकारियों के अनुसार, मौजूदा कानून में कथित अवैध मवेशी परिवहन के लिए जब्त किए गए वाहनों को छोड़ा जाना सुनिश्चित करने के लिए बैंक गारंटी अनिवार्य है। चार दिसंबर को, राज्य मंत्रिमंडल ने एक संशोधन का प्रस्ताव रखा, जिसके तहत ऐसे वाहनों को क्षतिपूर्ति बांड पर छोड़ने का प्रावधान किया गया। विहिप नेता और प्रांत गोरक्षा प्रमुख सुनील के.आर. ने उडुपी में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार का यह कदम मवेशी चोरों के प्रति सहानुभूति के समान है और दावा किया कि यह हिंदुओं को निशाना बनाने वाली व्यापक कार्रवाइयों का हिस्सा है।

उन्होंने दलील दी कि मौजूदा स्वरूप में यह कानून कड़ा है और अवैध पशु परिवहन और चोरी की घटनाओं को कम करने में इसकी अहम भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि इस अधिनियम के तहत, अपराधों में शामिल वाहनों को सरेंडर किया जा सकता है और दोषसिद्धि होने पर, अधिकारियों द्वारा स्थायी रूप से ज़ब्त किया जा सकता है। सुनील ने कहा, इन प्रावधानों को कमज़ोर करने से अपराधियों का हौसला बढ़ेगा।

विहिप नेता ने चेतावनी दी कि वाहनों को छोड़ने की प्रक्रिया को आसान बनाने से ना केवल उल्लंघनकर्ताओं को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि मवेशियों के प्रति क्रूरता भी बढ़ेगी। सुनील ने दावा किया कि 2020 के कानून के सख्ती से लागू होने से मवेशियों से संबंधित अपराधों के मामलों में काफी कमी आई है। उन्होंने कहा कि इन प्रावधानों को वापस लेने से ये लाभ खत्म हो सकते हैं और अवैध परिवहन में वृद्धि होगी। उन्होंने दोहराया कि सरकार को अपने फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए और मौजूदा कानून की शुचिता को बनाए रखना चाहिए।

शिक्षा मानवीय मूल्यों एवं चरित्र निर्माण का आधार : मदन दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि शिक्षा मानवीय मूल्यों एवं चरित्र निर्माण का आधार होना चाहिए। शिक्षकों को किताबी ज्ञान के साथ बच्चों में व्यवहारिक ज्ञान देने के लिए सार्थक प्रयास करने होगें, ताकि हमारे बच्चे किसी भी स्तर पर पीछे नही रहें। हमारा दायित्व है कि बच्चों में सर्वांगीण शिक्षा का विकास हो तथा वह जिस क्षेत्र में भी जाये वहां अपने देश, समाज एवं परिवार का नाम रोशन करें। दिलावर शनिवार को जिला मुख्यालय टोंक के एक निजी रिसोर्ट में पीएम विद्यालयों के प्रधानाचार्यो के आमुखीकरण कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रुप में संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि राजस्थान में विगत दो वर्ष में शिक्षा में कई नवाचार किये गये है। इससे न केवल शिक्षा के स्तर में सुधार आया है, बल्कि बच्चों के नैतिक एवं व्यवहारिक ज्ञान में भी बढ़ोतरी हुई है। देश में राज्य ने शिक्षा के स्तर में सुधार को लेकर लंबी छलांग लगाई है। पहले यह 12 वें स्थान पर था, अब तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। यह हमारी सरकार की शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता एवं संकल्प को दर्शाता है।

उन्होंने शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि इस तीन दिवसीय आमुखीकरण कार्यशाला में समाज की अनेक प्रकार की समस्याओं के समाधान में मानवीय मूल्यों की आवश्यकता के बारे में बताया जाएगा। मानवीय मूल्यों की शिक्षा का उद्देश्य व्यक्तियों में प्रेम, करुणा, सत्य, अंहिसा, सम्मान और जिम्मेदारी जैसे गुणों का विकास करना है, ताकि बच्चे नैतिक निर्णय ले सके। साथ ही भावनात्मक रुप से बुद्धिमान बनकर समाज व पर्यावरण के प्रति सकारात्मक योगदान दे सकें।

इससे पूर्व कार्यशाला की शुरुआत मां शारदे की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं वंदेमातरम गीत के साथ हुई। इस दौरान मुख्य कार्यकारी अधिकारी परशुराम धानका, जिलाध्यक्ष चन्दवीर सिंह चौहान, शिक्षा मंत्री के विशेषाधिकारी ओएसडी सतीश गुप्ता, दक्ष प्रशिक्षक डॉ. एसडी चारण, बृजकिशोर शर्मा, सीडीईओ सुबे सिंह यादव, जिला शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार शर्मा समेत अजमेर एवं जयपुर संभाग के प्रधानाचार्य मौजूद रहें।

नर्सिंग छात्रा की गला रेतकर हत्या

जयपुर। खैरथल-तिजारा जिले के मुंडावर कस्बे में 20 साल की नर्सिंग छात्रा की कथित तौर पर गला रेतकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने बताया कि यह घटना शुक्रवार की है और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पीड़िता के पिता ने आरोप लगाया कि उनकी बेटी का अपहरण कर उससे दुष्कर्म किया गया और फिर उसकी हत्या कर दी गई। आरोपी उपेंद्र कुमार (21) हरियाणा के महेंद्रगढ़ का रहने वाला है। उसने मौके से भागने की कोशिश की लेकिन उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

इस घटना से ग्रामीण आक्रोशित हो गए और उन्होंने करीब 30 मिनट तक मुख्य मार्ग को जाम कर दिया।

मुंडावर के थानाधिकारी रामनिवास मीणा ने कहा कि पीड़िता के पिता द्वारा दर्ज कराए गए मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने इस मुद्दे को उठाते हुए 'एक्स' पर लिखा,बार-बार इस तथ्य की पुष्टि हो रही है कि राजस्थान में महिलाएं बेहद असुरक्षित हैं। अलवर के मुंडावर में नर्सिंग छात्रा को अगवा करके पहले दुष्कर्म किया गया और फिर निर्दयता से गला रेतकर हत्या कर दी गई।'

उड़ान रद्द होने के बीच रेलवे ने दो विशेष ट्रेन चलाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। एक निजी विमानन कंपनी की उड़ानें रद्द होने के कारण उपजे संकट के बीच उत्तर पश्चिम रेलवे ने दो विशेष ट्रेन चलाने की घोषणा की है, जिनमें दुर्गापुरा- बान्द्रा टर्मिनस विशेष ट्रेन शामिल है। रेलवे के प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशि किरण के अनुसार, उड़ानों के रद्द होने के बीच यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष रेल सेवाओं का संचालन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हवाई सेवाओं के रद्द होने के कारण अतिरिक्त यात्रीभार को देखते हुए रेलवे द्वारा दुर्गापुरा (जयपुर)- बांद्रा टर्मिनस - दुर्गापुरा (जयपुर) स्पेशल (एक फेरा), हिसार-खडकी- हिसार स्पेशल रेलसेवा (एक फेरा) का संचालन किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि गाड़ी संख्या 09729 दुर्गापुरा (जयपुर)-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल रेलसेवा सात दिसंबर को दुर्गापुरा से 12.25 बजे रवाना होगी और अगले दिन सात बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। इसी प्रकार, गाड़ी संख्या 09730 बान्द्रा टर्मिनस-दुर्गापुरा (जयपुर) स्पेशल रेलसेवा दिनांक आठ दिसंबर को बांद्रा टर्मिनस से दस बजे रवाना होकर अगले दिन 05.30 बजे दुर्गापुरा पहुंचेगी। यह ट्रेन मार्ग में बनस्थली निवाई,सवाई माधोपुर, कोटा,रामगंज मंडी, भवानी मंडी, नागदा,रतलाम, वडोदरा, भरूच, सूरत, नवसारी, वलसाड, वापी, पालघ एवं बोरीवली स्टेशन पर रुकेगी। इस गाड़ी में कुल 23 डिब्बे होंगे।

इसी तरह, गाड़ी संख्या 04725 हिसार-खडकी स्पेशल रेलसेवा सात दिसंबर को हिसार से 05.50 बजे रवाना होकर जयपुर स्टेशन पर 12.40 बजे पहुंचेगी। यह इसी दिन अपरान्ह एक बजे रवाना होकर सोमवार को 10.45 बजे खडकी पहुंचेगी। इसी प्रकार, गाड़ी संख्या 04726 खडकी-हिसार स्पेशल रेलसेवा आठ दिसंबर को खडकी से 17.00 बजे रवाना होकर नौ दिसंबर को जयपुर स्टेशन पर 14.40 बजे आगमन व 14.50 बजे रवाना होकर 22.25 बजे हिसार पहुंचेगी। यह रेल सेवा मार्ग में सादुलपुर, लोहारू, चिड़ावा, झुंझुनू, नवलगढ़, सीकर, रींगस, जयपुर, दुर्गापुरा, सवाई माधोपुर, कोटा, भवानी मंडी, नागदा, रतलाम, गोधरा, वडोदरा, भरूच, सूरत, वलसाड, वापी, वसई रोड, कल्याण, लोणावला व चिंचवड स्टेशन पर रुकेगी। इस ट्रेन में कुल 22 डिब्बे होंगे।

उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने दूदू क्षेत्र को दी विकास की नई सौगातें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने शनिवार को दूदू विधानसभा क्षेत्र के चकवाड़ा, मौजमाबाद और बोराज में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होकर कई महत्वपूर्ण विकास कार्यों का शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र की देवतुल्य जनता से आत्मीय संवाद स्थापित करते हुए प्रदेश सरकार की जनहितकारी योजनाओं और कल्याणकारी नीतियों की विस्तृत जानकारी साझा की।

डॉ. बैरवा ने कहा कि राज्य सरकार सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल और आधारभूत संरचना को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के संतुलित और समग्र विकास के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने बताया कि सरकार का प्रत्येक निर्णय जनहित और जनता के उत्थान को ध्यान में रखकर लिया जा रहा है, जिससे प्रदेश विकास के नए आयाम स्थापित कर सके। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आमजन की उपस्थिति ने जनप्रतिनिधियों का उत्साह बढ़ाया। इस अवसर पर जयपुर जिला प्रमुख श्रीमती रमा चौपड़ा सहित क्षेत्र के प्रमुख जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे। प्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे निरंतर प्रयासों से दूदू क्षेत्र में विकास की गति और अधिक तेज होने की उम्मीद जताई जा रही है।

शेखावाटी इलाके में शीतलहर जारी

जयपुर। सर्द हवाओं और शीतलहर से प्रदेश में सर्दी ने ठिठुराया

जयपुर। प्रदेश में सर्दी अब अपने तेवर दिखाने लगी है। उत्तर से आ रही बर्फीली हवा से राजस्थान में तेज और ठिठुरन भरी सर्दी शुरू हो गई है। शेखावाटी के इलाकों में रात का तापमान 2 डिग्री सेल्सियस से नीचे आ गया। ओस जमने से खेतों में पाला पड़ना शुरू हो गया है। इससे फसलों को नुकसान हो रहा है। बीते दिन शुक्रवार को राज्य के 15 से ज्यादा शहरों में ही तापमान सिंगल डिजिट में दर्ज हुआ। जयपुर में इस सीजन पहली बार तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हुआ।मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर ने राज्य में अगले कुछ दिन इसी तरह कड़ाके की सर्दी का अलर्ट जारी किया है। सर्द हवाओं और तेज सर्दी के कारण दिन में सूरज की चमक भी फीकी पड़ने लगी है। दिन में तेज धूप के बावजूद तापमान कम दर्ज हो रहा है। मौसम केन्द्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि एक नए कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के आंशिक प्रभाव से आगामी दो-तीन दिन राज्य के कुछ भागों में आंशिक बादल छाए रहने तथा राज्य में आगामी एक सप्ताह मौसम शुष्क रहने की प्रबल संभावना है। कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री बढ़ोतरी होने व शीतलहर से राहत मिलने की प्रबल संभावना है। आगामी तीन-चार दिन शेखावाटी क्षेत्र में न्यूनतम तापमान चार डिग्री से ऊपर तथा शेष अधिकांश भागों में 10 डिग्री से ऊपर (सामान्य के आसपास) दर्ज होने हो सकता है।

देश का नागर विमानन क्षेत्र 'पैरालिसिस' जैसी स्थिति में : गहलोत

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि देश नागर विमानन क्षेत्र 'पैरालिसिस' जैसी स्थिति में है और केंद्र सरकार को हालात सामान्य करने की ओर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, देश में नागर विमानन क्षेत्र इस वक्त 'पैरालिसिस' (निष्क्रियता) जैसी स्थिति में आ गया है। पूरे देश में हवाई यात्री परेशान हैं और बेबस महसूस कर रहे हैं। उड़ानें रद्द हो रही हैं, तो कहीं बच्चे भूखे और थके हुए हैं, महिलाएं, वृद्ध, बीमार लोग लाचार महसूस कर रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री के अनुसार नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी विमानन क्षेत्र में जारी गड़बड़ियों के संबंध में लगातार सरकार का ध्यान आकर्षित कर रहे थे लेकिन सरकार ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। आज सरकार की इस लापरवाही का खामियाजा पूरा देश भुगत रहा है। उन्होंने लिखा, केंद्र सरकार को अपने तमाम संसाधन लगा कर स्थिति को सामान्य करने की ओर अविलंब ध्यान देना चाहिए एवं स्पष्टीकरण देना चाहिए कि ऐसी स्थिति क्यों पैदा हो गई।

मतदान का अधिकार : जनतंत्र का आधार विषय पर युवा विचार गोष्ठी कल

जयपुर। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा किये जाने वाले पंचायत चुनाव एवं नगरीय निकाय मतदाता जागरूकता अभियान के तहत युवाओं में मतदान के महत्व और लोकतांत्रिक सहभागिता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मतदान का अधिकार : जनतंत्र का आधार विषय पर एक युवा विचार गोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने बताया कि यह नवाचार गोष्ठी 8 दिसंबर (सोमवार) को प्रातः 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक जे.एल.एन. मार्ग स्थित महात्मा गांधी इंस्टिट्यूट ऑफ गवर्नेंस एंड सोशल साइंसेज़ के सेमिनार हॉल में आयोजित होगी। उन्होंने कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग की इस पहल का उद्देश्य युवाओं को मतदान प्रक्रिया से जोड़ना तथा लोकतंत्र को मजबूत बनाने में उनकी भूमिका को रेखांकित करना है। इस दौरान युवा मतदाताओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी हेतु प्रेरित किया जाएगा। यह कार्यक्रम महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ गवर्नेंस एंड सोशल साइंसेज, जयपुर एवं कनोड़िया महिला पी.जी. महाविद्यालय, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होगा। राजेश्वर सिंह ने कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा चलाई जा रही यह पहल युवाओं को मतदान के महत्व, लोकतांत्रिक मूल्यों की समझ तथा जागरूक एवं जिम्मेदार मतदाता बनने के लिए प्रेरित करने की दिशा में एक सार्थक कदम है। विभाग की ओर से यह नवाचार युवाओं को जनतंत्र की अवधारणा से जुड़ने के लिए प्रेरित करेगा।

पूजा

उप मुख्यमंत्री दीयाकुमारी और शेरगढ़ विधायक बाबूसिंह राठौड़ ने शनिवार को जूना खेड़ापति मंदिर पहुंचकर शनि महाराज का तेलाभिषेक किया। इसके बाद दोनों जनप्रतिनिधियों ने हनुमानजी महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री शर्मा ने लोगों से संवाद किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार सुबह यहां जवाहर सर्किल पार्क पहुंचे और वहां सैर के लिए निकले लोगों से संवाद किया। मुख्यमंत्री शर्मा ने शहर के इस प्रमुख पार्क में सुबह सैर किया। इस दौरान उन्होंने पार्क में मौजूद लोगों से संवाद किया और 'फिट इंडिया-फिट राजस्थान' के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया।

आधिकारिक बयान के अनुसार, शर्मा ने जवाहर सर्किल स्थित मन्दिर में दर्शन करके प्रदेश की खुशहाली की कामना की। शर्मा ने आमजन के साथ जूस पीने के दौरान चर्चा भी की। बाद में मुख्यमंत्री ने बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करके उन्हें नमन किया।

प्रवासी राजस्थानी दिवस पावणों के स्वागत के लिए तैयार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर आयोजित किए जा रहे 'प्रवासी राजस्थानी दिवस' कार्यक्रम की तैयारियां अब अंतिम चरण में हैं। 10 दिसंबर को होने वाले इस कार्यक्रम के लिए राजधानी जयपुर में ग्रीनरी, सजावट और साफ-सफाई के कार्य किए जा रहे हैं। राजस्थान मेहमानों के स्वागत के लिए पूरी तरह तैयार है, वहीं देश-विदेश से आने वाले प्रवासी राजस्थानियों और उद्योगपतियों में भारी उत्साह है। अब तक करीब 8,700 से अधिक लोगों ने अपना पंजीकरण कराया है। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास और उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) शिखर अग्रवाल ने कार्यक्रम स्थल (जेईसीसी, सीतापुरा) पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मुख्य समारोह, सेक्टोरल सेशन के लिए निर्धारित हॉल के साथ ही राज्य सरकार की उपलब्धियों को दर्शाने के लिए बनाए जा रहे प्रगति पथ का भी निरीक्षण किया। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्यों को अगले 48 घंटे में पूरा कर लिया जाए।

मुख्य सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुसार इस ऐतिहासिक आयोजन की तैयारियां की जा रही हैं। मुख्यमंत्री लगातार तैयारियों की समीक्षा कर रहे हैं, साथ ही, प्रवासी राजस्थानियों से वार्ता कर उन्हें आमंत्रित भी कर रहे हैं।

एसीएस शिखर अग्रवाल ने कहा कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य प्रवासी राजस्थानियों को अपनी जड़ों से जोड़ते हुए प्रदेश के विकास में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना है। साथ ही, इस प्रक्रिया में आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए एक नई नीति भी बनाई गई है। उद्योग एवं निवेश संवर्धन ब्यूरो के आयुक्त सुरेश कुमार ओला ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार आयोजन स्थल पर राजस्थान की संस्कृति और विरासत को प्रदर्शित किया गया है, ताकि प्रवासी राजस्थानी अपनापन महसूस करें और यहां से अच्छी यादें लेकर लौटें।

इस दौरान जेडीए आयुक्त श्रीमती आनन्दी, रीको एमडी श्रीमती शिवांगी स्वर्णकार, राजस्थान फाउंडेशन की आयुक्त डॉ. मनीषा अरोड़ा, नगर निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी, बीआईपी के अतिरिक्त आयुक्त जुगल किशोर मीणा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

राजस्थान को देश का माइनिंग हब बनाने में प्रवासी राजस्थानियों की प्रमुख भूमिका : रविकांत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान को देश का माइनिंग हब बनाने में प्रवासी राजस्थानियों (एनआरआर) की प्रमुख भूमिका भी तय की जाएगी। इसके साथ ही क्रिटिकल और स्ट्रेटेजिक मिनरल्स के एक्सप्लोरेशन, खनन और प्रसंस्करण में खनिज क्षेत्र के जाने माने विशेषज्ञों, उद्यमियों, एकेडेमेशियन्स और सरकार के बीच सकारात्मक सहभागिता होगी। खान, भूविज्ञान एवं पेट्रोलियम विभाग के प्रमुख सचिव टी. रविकान्त ने बताया कि 10 दिसंबर को आयोजित प्रवासी राजस्थानी दिवस में माइनिंग सेक्टर के सेक्टोरल सेशन को उपयोगी और बहुआयामी बनाया गया है। उन्होंने बताया कि सेक्टोरल सेशन के दौरान प्रवासी राजस्थानियों, राज्य के विशेषज्ञों के साथ ही देश के नामी गिरामी विशेषज्ञों की सहभागिता तय की गई है ताकि प्रवासी राजस्थानियों की राजस्थान के खनन क्षेत्र में निवेश और सहभागिता में सक्रिय भागीदारी हो सके। प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त ने बताया कि खनिज संपदा और क्रिटिकल व स्ट्रेटेजिक खनिजों की उपलब्धता में राजस्थान देश-दुनिया के खनिज मानचित्र में प्रमुख स्थान रखता है। ऐसे में प्रवासी राजस्थानियों को राजस्थान के माइनिंग क्षेत्र में आगे आने के लिए प्रेरित किया जाना आवश्यक है। इसी को ध्यान में रखते हुए 10 दिसंबर के प्रवासी राजस्थानी दिवस पर माइनिंग सेक्टर का अलग से एक सत्र रखा गया है। इसमें प्रवासी राजस्थानियों के सामने राजस्थान की खनिज संपदा और बेहतर संभावनाओं की तस्वीर रखी जाएगी ताकि अधिक से अधिक प्रवासी राजस्थानी राजस्थान की धरती से जुड़कर निवेश, रोजगार और प्रदेश के आर्थिक विकास में भागीदार बन सकें।

आत्म निर्भर भारत के लिए राजस्थान की क्रिटिकल मिनरल संभावनाओं की अनलॉकिंग पर आयोजित इस सत्र को उपादेय और बहुआयामी बनाने के लिए प्रवासी राजस्थानियों के साथ ही हैदराबाद, ओडिशा, धनबाद सहित अन्य विशेषज्ञ, भारतीय भू सर्वेक्षण विभाग, ऑयल इंडिया, एटोमिक मिनरल डिविजन के विशेषज्ञ व औद्योगिक प्रतिष्ठानों के विशेषज्ञों की सक्रिय सहभागिता तय की गई है।

होम गार्ड्स भगवद गीता के 'निष्काम सेवा' के संदेश को अपनाते हैं : मोहन यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शनिवार को कहा कि होम गार्ड के जवान भगवद गीता के निष्काम सेवा के संदेश को अपनाते हैं क्योंकि वे ईमानदारी और बिना किसी उम्मीद या स्वार्थ के काम करते हैं। उन्होंने यहां 63वें होम गार्ड्स और नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस समारोह में कहा कि यह बल प्राकृतिक आपदाओं, भीड़ प्रबंधन, यातायात प्रबंधन और मुश्किल हालात में नागरिकों के साथ खड़ा रहता है और पुलिस का भी साथ देता है।

मुख्यमंत्री ने कहा, होम गार्ड शब्द का मतलब मध्यप्रदेश के 8.5 करोड़ लोगों के रक्षक हैं। आजादी के बाद जब भारत अपना नागरिक सुरक्षा ढांचा बना रहा था, तब बल ने भरोसे और सेवा की ढाल दी है। बाढ़, आग या बड़े हादसों के समय लोग सबसे पहले होम गार्ड्स के बारे में सोचते हैं क्योंकि ये जवान मुश्किलों के सामने चट्टान की तरह खड़े रहते हैं। उन्होंने कहा कि होम गार्ड सीमा पर तैनात सैनिक जितना ही जरूरी है, क्योंकि वे अंदरूनी सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता के लिए जरूरी हैं। यादव ने कहा, 2014 में एसडीआरएफ के बनने के बाद से होम गार्ड, नागरिक सुरक्षा और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) ने मिलकर आपदा प्रबंधन को मज़बूत किया है। उन्होंने कहा कि बल ने पिछले साल 5,075 लोगों को बचाया और इस साल बाढ़ के दौरान सैकड़ों लोगों को बचाया।

जयशंकर जुबिन मामले के आरोपियों के विदेश मंत्रालय से 'संबंध' पर स्थिति स्पष्ट करें : गोगोई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

डिब्रूगढ़/गुवाहाटी/भाषा। मुख्य विपक्षी कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष एवं लोकसभा में पार्टी के उपनेता गौरव गोगोई ने विदेश मंत्री एस जयशंकर से गायक जुबिन गर्ग की मौत के मामले में एक प्रमुख आरोपी के साथ उनके मंत्रालय के ''संबंध'' को स्पष्ट करने का आग्रह किया है।

गोगोई ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के इस दावे पर भी जयशंकर से स्थिति स्पष्ट करने की मांग की कि सिंगापुर में जुबिन की मौत एक हत्या की घटना थी।

जुबिन गर्ग की 19 सितंबर को सिंगापुर में समुद्र में तैरते समय संदिग्ध परिस्थितियों मृत्यु हो गई थी। वह नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल (एनईआईएफ), 2025 में भाग लेने के लिए सिंगापुर गए थे।

असम पुलिस की एसआईटी ने इस मामले में अब तक सात लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें महोत्सव के मुख्य आयोजक श्यामकानु महंत भी शामिल हैं।

गोगोई ने बृहस्पतिवार को जयशंकर को लिखे पत्र में कहा कि इस महोत्सव का आयोजन विदेश मंत्रालय द्वारा सिंगापुर स्थित भारतीय उच्चायोग के सहयोग से किया गया था।

कांग्रेस नेता ने महंत की ओर इशारा करते हुए कहा कि पुलिस की चल रही जांच में एक आरोपी '' महोत्सव के आयोजन से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ'' था।

गोगोई ने आरोप लगाया कि आरोपी एक संगठन चलाता है, जिसे उत्सवों और कार्यक्रमों के आयोजन के लिए जयशंकर के मंत्रालय से कई लाख रुपए का भुगतान प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा, ''विदेश मंत्रालय और एक ऐसे व्यक्ति के बीच संबंध है जो असम के मुख्यमंत्री द्वारा लगाए गए हत्या के आरोप में एक आरोपी है, बेहद परेशान करने वाला है।''

गोगोई ने कहा, ''मैं यह बात आपके संज्ञान में ला रहा हूं और मंत्रालय से अनुरोध करता हूं कि वह असम के मुख्यमंत्री के दावे के संबंध में एक बयान जारी करे और विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ नेतृत्व और मामले के एक आरोपी के बीच संबंध को भी स्पष्ट करें।''

असम की महिलाएं सरकारी योजनाओं का लाभ उठाएं : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैलाकांडी (असम)/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को राज्य की महिलाओं से सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया।

वह बराक घाटी में हैलाकांडी और धोलाई विधानसभा क्षेत्र में मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता अभियान (एमएमयूए) की लाभार्थी महिलाओं को शुरुआती मदद का चेक वितरित करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

इस पहल के तहत हैलाकांडी से कुल 17,774 लाभार्थियों और धोलाई से 20,045 लाभार्थियों को 10-10 हजार रुपए के चेक दिए गए।

मुख्यमंत्री ने हैलाकांडी में चेक वितरण के लिए आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह योजना राज्य में महिलाओं के सतत आर्थिक सशक्तिकरण को सुनिश्चित करने के लिए शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि पिछले दो महीनों में 50 निर्वाचन क्षेत्रों में चेक वितरण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिससे राज्य की 12 लाख महिलाओं को लाभ हुआ।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूरे भारत में तीन करोड़ महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाने की परिकल्पना की है।

असम का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में 40 लाख महिलाएं चार लाख स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) से जुड़ी हैं और सरकार का लक्ष्य इस पहल के माध्यम से उनमें से प्रत्येक को 'लखपति बाइदेउ' (असमी में बड़ी दीदी को 'बाइदेउ' कहते हैं) के रूप में बदलना है।

लाभार्थियों से इस निधि का सर्वोत्तम उपयोग करने का आग्रह करते हुए मुख्यमंत्री ने रेखांकित किया कि 10 हजार रुपए का चेक तो केवल शुरुआत है। उन्होंने कहा, ''यदि महिलाएं इस धनराशि को अपने स्व-सहायता समूहों में जमा करती हैं, तो एक लाख रुपए का पूंजी कोष तैयार किया जा सकता है, जिसका उपयोग समूह-आधारित उद्यमों, व्यक्तिगत पहल या मौजूदा पारिवारिक व्यवसायों के विस्तार के लिए किया जा सकता है।''

मुख्यमंत्री ने कहा, ''छह महीनों में धन उपयोग का आकलन करने के बाद, लाभार्थियों को अगले चरण में 25,000 रुपए और 50,000 रुपए की सहायता के लिए पात्र माना जाएगा।''

हम कड़ा संदेश देना चाहते हैं कि उच्चतम न्यायालय आम लोगों के लिए है : प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने उच्चतम न्यायालय आम आदमी के लिए होने का कड़ा संदेश देते हुए शनिवार को कहा कि लंबित मामलों का निश्चित समयसीमा और एकीकृत राष्ट्रीय न्यायिक नीति आधारित शीघ्र फैसला उनकी प्राथमिकता होगी।

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने यहां आयोजित 'हिंदुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट' में न्याय तक पहुंच का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि मुकदमेबाजी की लागत कैसे कम की जाए और मामलों के निर्णय के लिए एक उचित समय-सीमा कैसे निर्धारित की जाए।

न्यायपालिका की स्वतंत्रता के बारे में पूछे गए सवाल पर न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने शक्तियों के पृथक्करण के संवैधानिक दर्शन का उल्लेख किया और कहा कि संविधान ने न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका की संबंधित भूमिकाओं को खूबसूरती से परिभाषित किया है, तथा यह सुनिश्चित किया है कि इनमें से कोई एक दूसरे के क्षेत्र का अतिक्रमण नहीं करे।

सीजेआई ने कहा, ''मेरी पहली प्राथमिकता लंबित मामलों के लिये एक निश्चित समय-सीमा और एकीकृत राष्ट्रीय न्यायिक नीति-आधारित शीघ्र निस्तारण की होगी। मैं सभी बकाया मामलों को समाप्त करने की बात नहीं कर रहा हूं। ऐसा कभी नहीं होगा। ऐसा नहीं होना चाहिए, क्योंकि मुकदमेबाजी एक सतत प्रक्रिया है। लोगों को न्यायिक प्रणाली पर भरोसा और विश्वास है।''

उन्होंने कहा, ''मामले तो दायर किए जाएंगे, लेकिन जो पुराने मामले हमारे सामने हैं, उनसे निपटने की जरूरत है और इसके लिए मध्यस्थता को शक्तिशाली परिवर्तनकारी उपाय के रूप में तलाशने की जरूरत है।''

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि आने वाले दिनों में उच्चतम न्यायालय में कुछ सुधार होंगे, जिनमें कुछ मुकदमों को प्राथमिकता देना भी शामिल है। उन्होंने कहा, ''मैं एक बहुत ही स्पष्ट और कड़ा संदेश देना चाहता हूं कि उच्चतम न्यायालय आम आदमी के लिए है और किसी भी सामान्य वादी को शीर्ष अदालत में पर्याप्त स्थान और समय मिलेगा। इसके लिए, मैं सूचीबद्ध किए जाने वाले मामलों की प्राथमिकता तय कर रहा हूं।''

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने साथ ही कहा कि वह यह काम अकेले नहीं कर सकते और उच्चतम न्यायालय के अन्य न्यायाधीशों ने इस संबंध में अपना पूरा सहयोग दिया है।

सीजेआई ने माना कि न्यायिक प्रणाली को नई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा और उन्होंने 'डिजिटल अरेस्ट' और साइबर अपराधों का हवाला दिया। उन्होंने कहा, ''इसलिए, नई चुनौतियां आती रहेंगी। सबसे पहले, हमें अपनी न्यायपालिका को अद्यतन करने की आवश्यकता है। हमें अपने न्यायिक अधिकारियों को नई चुनौतियों और उनसे निपटने के तरीकों के बारे में तैयार करना होगा।''

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने मानव संसाधन के इष्टतम उपयोग और निष्पक्ष मूल्यांकन के बारे कहा कि संस्थान में योग्यता को मान्यता मिलनी चाहिए। उन्होंने न्यायपालिका में विविधता के बारे में पूछे जाने पर कहा कि जिस तरह से समाज विकसित हुआ है और जिस तरह से देश आगे बढ़ा है, उसमें भारतीय न्यायिक प्रणाली में आमूल-चूल परिवर्तन आया है।

जुबिन मौत मामले की जांच लगभग पूरी, 12 दिसंबर को दाखिल होगा आरोप पत्र : असम पुलिस

गुवाहाटी/भाषा। गायक जुबिन गर्ग की मौत की जांच लगभग पूरी हो गई है और 12 दिसंबर को आरोप पत्र दाखिल किया जाएगा। असम पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। जुबिन गर्ग की 19 सितंबर को सिंगापुर में समुद्र में तैरते समय संदिग्ध परिस्थितियों मृत्यु हो गई थी। आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) के विशेष पुलिस महानिदेशक मुन्ना प्रसाद गुप्ता ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, ''जांच लगभग पूरी हो चुकी है। आरोप पत्र में विस्तृत जानकारी दी जाएगी।'' जुबिन मौत मामले की जांच कर रहे विशेष अन्वेषण दल (एसआईटी) का नेतृत्व कर रहे गुप्ता ने कहा कि अब तक सात गिरफ्तारियां की गई हैं और 300 से अधिक गवाहों से पूछताछ की गई है। उन्होंने विस्तृत ब्योरा देने से इनकार करते हुए कहा कि आरोप पत्र दाखिल होने के बाद ही अधिक जानकारी प्रदान की जा सकेगी।

अयोध्या में नई मस्जिद परियोजना की शुरुआत संभवतः अप्रैल 2026 में होगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। वर्ष 1992 में अयोध्या में बाबरी मस्जिद के विध्वंस के 33 साल बाद, धन्नीपुर गांव में नई मस्जिद परियोजना के लिए संभावित समय सीमा अप्रैल 2026 हो सकती है। इस परियोजना का काम देख रहे ट्रस्ट के प्रमुख ने यह जानकारी दी।

इंडो-इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन (आईआईसीएफ) के अध्यक्ष जुफर फारूकी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, यदि सब कुछ ठीक रहा और अयोध्या विकास प्राधिकरण (एडीए) मस्जिद के संशोधित ले आउट प्लान को मंजूरी दे देता है, तो मस्जिद परियोजना के लिए संभावित समय सीमा अप्रैल 2026 हो सकती है। मस्जिद के संशोधित ले आउट प्लान को हम दिसंबर के अंत तक जमा करने की उम्मीद कर रहे हैं।

हालांकि, मस्जिद परियोजना के आसपास के विवादों और आरोप-प्रत्यारोप के बावजूद, पांच साल से अधिक समय बीत जाने के बाद भी मूल मस्जिद परियोजना के बारे में अभी भी अनिश्चितता बनी हुई है। पांच साल से अधिक समय पहले उच्चतम न्यायालय के आदेश पर राज्य सरकार ने मस्जिद के लिए पांच एकड़ जमीन आवंटित की थी।

फारूकी ने कहा कि मस्जिद का पहला ले आउट प्लान अयोध्या विकास प्राधिकरण (एडीए) द्वारा खारिज कर दिया गया था, लेकिन इससे पहले ही आईआईसीएफ ने समुदाय के विरोध के कारण इसे छोड़ने का फैसला किया था और एक अधिक पारंपरिक डिजाइन को अपनाने का फैसला किया था।

एडीए की मंजूरी मस्जिद निर्माण के लिए पहला महत्वपूर्ण कदम है, लेकिन आईआईसीएफ के सामने अन्य ज्वलंत मुद्दे भी हैं, जिनमें धन्नीपुर स्थल पर पर्याप्त जमीन की कमी भी शामिल है।

फारूकी ने कहा,यह शुरुआती दिन हैं। हम आवंटित जमीन का उपयोग करना चाहते हैं, लेकिन यदि मस्जिद परियोजना के लिए अतिरिक्त जमीन हासिल करने में समस्या आती है, तो परियोजना को चरणबद्ध तरीके से अलग-अलग जगह पर भी पूरा करने की संभावना है।

सद्भावना रैली

कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने धार्मिक आधार पर ध्रुवीकरण करने के कथित प्रयासों के खिलाफ नारे लगाते हुए शनिवार को 'सद्भावना रैली'के तहत कोलकाता में उसी सड़क पर स्थित एक मस्जिद से मंदिर तक एक किलोमीटर से अधिक दूरी तक मार्च किया। पार्टी ने लोगों से छह दिसंबर 1992 को बाबरी मस्जिद के विध्वंस के बाद के दिनों को वापस न लाने का आह्वान किया।

संवैधानिक मूल्यों को 'कुचलने' वाली ताकतों के खिलाफ लड़ने का समय : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने शनिवार को कहा कि यह समय ''संवैधानिक मूल्यों को कुचलने वाली ताकतों के खिलाफ लड़ने का है।'' सपकाल ने साथ ही संविधान निर्माता डॉ. बीआर अंबेडकर द्वारा परिकल्पित भारत के विचार को मजबूत करने की आवश्यकता को रेखांकित किया।

सपकाल डॉ. अंबेडकर की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए मुंबई के दादर क्षेत्र में शिवाजी पार्क स्थित 'चैत्यभूमि' गये। उन्होंने कहा, ''डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान आज भी राष्ट्र का मार्गदर्शन कर रहा है। लेकिन कुछ ताकतें इन संवैधानिक मूल्यों के विरुद्ध उठ खड़ी हो रही हैं। संविधान की आकांक्षा के अनुरूप भारत के निर्माण के लिए इन ताकतों से लड़ना आवश्यक हो गया है।''

सपकाल ने कहा कि गुलामी और शोषण दुनियाभर के समाज पर कलंक थे और डॉ. अंबेडकर ने समानता और न्याय का आह्वान किया था। उन्होंने कहा कि अंबेडकर ने गरीबों, वंचितों और शोषितों के लिए लड़ाई लड़ी और संविधान के माध्यम से समानता के बीज बोए।

एक मेट्रो स्टेशन का नाम डॉ. अंबेडकर के नाम पर रखने की मांग पर सपकाल ने आरोप लगाया, ''मेट्रो स्टेशनों के नाम उन उद्योगपतियों के नाम पर रखे गये हैं जो चुनावी बॉन्ड के जरिए सरकार को पैसे देते हैं। इसलिए यदि मांग उचित भी हो, तो भी भाजपा सरकार शायद इससे सहमत न हो।''

कांग्रेस नेता ने कहा कि सार्वजनिक परियोजनाओं के नामकरण में उस क्षेत्र की विरासत को प्रतिबिंबित किया जाना चाहिए।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अंबेडकर के लिए इंदु मिल में निर्माणाधीन स्मारक के पूर्ण होने में हो रही देरी को लेकर दावा किया, ''जिन परियोजनाओं से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को बड़ा लाभ मिलता है, उन्हें प्राथमिकता दी जाती है। समुद्र में शिवाजी महाराज का स्मारक और इंदु मिल में बाबासाहेब का स्मारक बनाने में जानबूझकर देरी की जा रही है।''

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि मुंबई के दादर इलाके में इंदु मिल में डॉ. अंबेडकर के भव्य स्मारक का निर्माण अगले साल छह दिसंबर तक पूरा करने के लिए सभी प्रयास किए जाएंगे।

नगालैंड को केवल हॉर्नबिल महोत्सव के नजरिये से नहीं देखा जाना चाहिए : सिंधिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दीमापुर/भाषा। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शनिवार को कहा कि नगालैंड की सांस्कृतिक गहराई, शिल्प कौशल और उभरती आर्थिक ताकत राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर कहीं अधिक ध्यान देने योग्य है।

पूर्वोत्तर राज्य का तीन दिवसीय दौरा समाप्त करने से पहले दीमापुर हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से मुखातिब सिंधिया ने इस बात पर जोर दिया कि नगालैंड को केवल हॉर्नबिल महोत्सव के नजरिये से नहीं देखा जाना चाहिए।

केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ने कहा कि नगालैंड में वह जिन कार्यक्रमों में शामिल हुए, उन्होंने उन्हें एक अद्भुत अनुभव प्रदान किया और राज्य के लोगों, संस्कृति तथा विरासत में निहित अपार संभावनाओं से पर्दा उठाया। उन्होंने कहा, ''यह सिर्फ एक उत्सव नहीं है। नगालैंड के लोगों, उसकी समृद्ध संस्कृति और विरासत में जो क्षमता है, उससे दुनिया को अवगत होना चाहिए और उसका अनुभव करना चाहिए। कृपया नगालैंड को सिर्फ हॉर्नबिल उत्सव तक सीमित न रखें।''

अरेबिका और रोबस्टा बागानों का दौरा करने के बाद, सिंधिया ने नगालैंड के कॉफी क्षेत्र की संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने राज्य की कॉफी की गुणवत्ता, ब्रांडिंग और पैकेजिंग की सराहना करते हुए इन्हें विश्वस्तरीय बताया।

मंत्री ने कहा कि वाणिज्य और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय नगालैंड के कॉफी उद्योग को मजबूती प्रदान करने के तरीकों पर सक्रिय रूप से विचार कर रहा है, जिसे मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो ने राज्य के प्रमुख विक्रय प्रस्तावों में से एक बताया है।

सिंधिया ने कहा, ''हमारे पास लगभग 11,000 हेक्टेयर जमीन पर खेती हो रही है। हम एक साझा प्रसंस्करण केंद्र, मूल्य संवर्धन और अपने कॉफी उत्पादकों को अधिक आय दिलाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं।''

जर्मनी के खिलाफ गलतियों की कोई गुंजाइश नहीं होगी, सुधार जरूरी : जूनियर हॉकी कोच श्रीजेश

चेन्नई/भाषा। खिताब से दो जीत दूर भारतीय टीम को जर्मनी के खिलाफ जूनियर हॉकी विश्व कप सेमीफाइनल से पहले मुख्य कोच पी आर श्रीजेश से एक ही सलाह मिली है कि अभी काम पूरा नहीं हुआ है और अपने पैर जमीन पर रखने हैं।

भारत ने आखिरी मिनट में गोल गंवाने के बाद शूटआउट तक खिंचे क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम को 4-3 से हराया लेकिन दो बार के ओलंपिक पदक विजेता रहे कोच श्रीजेश का कहना है कि सात बार की चैम्पियन जर्मनी के खिलाफ इस तरह की गलतियों की कोई गुंजाइश नहीं रहेगी।

उन्होंने भाषा से कहा ,'' बेल्जियम के खिलाफ पहले 45 मिनट एक गोल से पीछे रहना और फर आखिरी एक मिनट में उन्हें बराबरी का गोल करने का मौका देना , यह मुझे अच्छा नहीं लग रहा था। आखिरी मिनट में गोल गंवाना, शूटआउट इससे बचना चाहिये।''

भारत के महान गोलकीपर रहे श्रीजेश ने कहा ,'' अच्छे मूव को

फाइनल टच देना जरूरी है। हम लगातार आक्रमण कर रहे थे और मौके बना रहे थे। सर्कल के भीतर गेंद का नियंत्रण नहीं खोना चाहिये। कठिन टीमों के खिलाफ गोल करने के मौके ज्यादा नहीं मिलते हैं और जो भी मौके मिले, उन्हें भुनाना होगा।''

यह पूछने पर कि लीग चरण में आसान चुनौतियों से क्या क्वार्टर फाइनल में दबाव अधिक रहा , श्रीजेश ने कहा ,'' लीग दौर के मैच सभी के लिये लगभग बराबर होते हैं। कुछ टीमों को एक कठिन मैच मिल जाता है लेकिन हमने अपनी टीम का स्तर ऊंचा रखने की कोशिश की और उन्हें चुनौतियां दी कि इतने गोल से जीतना है। लेकिन नॉकआउट चरण में दबाव अलग होता है।'' भारत ने राउंड रॉबिन चरण में 29 गोल किये और एक भी नहीं गंवाया था।

कोच ने आगे कहा ,''क्वार्टर फाइनल से ज्यादा दबाव अब सेमीफाइनल में होगा। क्वार्टर फाइनल में ऑस्ट्रेलिया जैसी टीम क्वालीफाई नहीं कर सकी। हम किसी टीम को हलके में नहीं ले सकते। जर्मन टीम पूरी तैयारी के साथ उतरेगी लिहाजा हमे अपने खेल में सुधार करना होगा।''

असम में 11 करोड़ मूल्य के मादक पदार्थ जब्त, कई तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बताया कि राज्य में कई अभियानों के तहत 11 करोड़ रुपए मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किये जाने के साथ संदिग्ध तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि नशीले पदार्थों के खिलाफ यह कार्रवाई कार्बी आंगलोंग और कछार जिले में की गई।

मुख्यमंत्री शर्मा ने शुक्रवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आज असम में भारी मात्रा में नशीले पदार्थों की जब्ती की गई। असम पुलिस लगातार ऐसे अभियान चला रही है जो असल जिंदगी के मादक पदार्थ आधारित धारावाहिक या वेब सीरीज जैसे लगते हैं। कार्बी आंगलोंग से लेकर सिलचर तक, मादक पदार्थ के तस्कर भागे-भागे फिर रहे हैं।'' उन्होंने बताया कि जब्त किए गए नशीले पदार्थों में याबा की गोलियां और अन्य अवैध वस्तुएं शामिल हैं।

भारत में याबा की गोलियां गैरकानूनी हैं क्योंकि इनमें 'मेथामफेटामाइन' पाया जाता है। याबा 'कंट्रोल्ड सब्सटेंस' अधिनियम की अनुसूची दो का पदार्थ है। हालांकि, मुख्यमंत्री ने गिरफ्तार लोगों की संख्या नहीं बताई लेकिन सोशल मीडिया मंच पर उनके द्वारा साझा की गई तस्वीरों से पता चलता है कि मामले में कम से कम छह तस्करों को गिरफ्तार किया गया है।

सुविचार

ज्यादा खुश होने पर और ज्यादा दुखी होने पर निर्णय नहीं लेना चाहिए। क्योंकि यह दोनों परिस्थितियां आपको सही निर्यय नहीं लेने देती हैं।

ट्वीट

जोधपुर में जूना खेड़ापति मंदिर में पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया और समस्त प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि हेतु प्रार्थना की। इस अवसर पर शेरगढ़ विधायक श्री बाबू सिंह जी राठौड़ व भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए मान-सम्मान के लिए आप सभी का आभार।

-दिया कुमारी

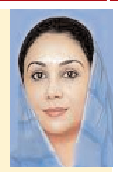

भारत रत्न बाबासाहेब डॉ भीमराव अंबेडकर जी की पुण्यतिथि पर सादर नमन एवं विनम्र श्रद्धांजलि। संविधान निर्माता के तौर पर देश के हर वर्ग को गरिमापूर्ण जीवन जीने का अधिकार देने, समावेशी समाज की नींव रखने के लिए पीढ़ियां उनको सदैव याद रखेंगी।

-अशोक गहलोत

कहानी

अनोखा अनुभव

समन्दर के किनारे बसी कॉलोनी के अपने फ्लैट की बालकनी में बैठा राजन सड़क पर वाहनों और लोगों की आवाजाही देख रहा था। शाम होने में अभी वक़्त बाकी था। शहर में मानसून ने अभी दस्तक नहीं दी थी। लेकिन सुबह से ही शुरु हुई रुक रुककर बूंदाबांदी के साथ दिन भर बादलों की आवाजाही बनी रही थी। सुबह से ही धूप और बादलों के बीच बारिश का लुका छिपी का खेल चल रहा था। बहुत समय बाद तपती जमीन पर देर तक बरसती बारिश की बूंदें अमृत के समान थीं। सड़क पर पास ही की बस्ती के बच्चे बारिश के पानी में खूब भीगे थे। कुछ समय के लिए बारिश रुकने के बाद भी वो सड़क के पास जमा हुए पानी में खेल रहे थे। सड़क पर आवाजाही अपेक्षाकृत कम थी। तभी उसने देखा कि सड़क पर फैले बारिश के पानी के कारण एक दूध वाले की मोटरसाईकल फिसलने से उस पर बंधा दूध से भरा ड्रम खुलकर सड़क पर गिरने से दूध सड़क पर फैलने लगा था। उसी समय बस्ती के कुछ बच्चे और महिलाएं भागकर वहां आकर अपने - अपने बर्तनों में फैला हुआ दूध भरने लगे। दूध वाले के लिए सड़क पर गिरा वह दूध किसी भी काम का नहीं रहा था। बच्चों और उनकी मां के लिए दूध की महत्ता को देखकर राजन को एक पुरानी घटना याद आने लगी। काफी वक़्त बीत जाने के बाद भी उसकी यादाश्त में यह घटना ताजातरीन बनी हुई थी मानो कल ही की बात हो। अचानक उस घटना की यादें ,दृश्य और आवाजें उसके जहन में ताजा हो उठे और वह उन यादों के गलियारे में घूमने लगा।

लगभग सात वर्ष पहले कंपनी से मिलने वाली सालाना छुट्टियों में राजन अपनी पत्नी नेहा और आठ महीने के पुत्र सनी के साथ कुछ दिनों के लिए महानगर में घूमने के लिए गया था। वहां आए उन्हे चार दिन हो चुके थे। समन्दर के किनारे बसा वह खूबसूरत महानगर था। जिसकी अपनी भव्यता, दर्शनीय स्थल , चारों ओर हरियाली और लोगों की आधुनिक जीवनशैली आदि खुदबखुद पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते थे। वहां की भागती दौड़ती ज़िंदगी में लोगों के पास शायद समय की कमी ही रहती होगी। आर्थिक दृष्टि से मध्यम वर्गीय लोगों तक के रुकने लायक होटल के एक कमरे में वह ,नेहा और सनी के साथ ठहरा था। होटल में खाने पीने की व्यवस्था ढंग से नहीं होने के बाद भी कमरे के किराये और वहां की सफाई को ध्यान में रखते हुए उन्होंने वहीं रुकने का फैसला किया था। यहां तक कि नाश्ता ,खाना और सनी के पीने के लिए दूध भी रुम बॉय को कहकर बाहर से मंगवाना पड़ता था। होटल का जनरेटर भी अचानक खराब हो जाने से गर्मी से वो परेशान हो गए थे। जैसा उन्हे बताया गया था, उन दिनों महानगर का मौसम अमूमन इतना गर्म नहीं होता जितना उस समय था।

उस समय दो दिनों से पशुपालकों और किसानों की हड़ताल और सप्लाई बंद होने के कारण महानगर में दूध ,फल और सब्जी की कमी होने से इनकी कीमतें मानो आसमान को छूने की ओर बढ़ने लगी थीं। पशुपालकों का कहना था कि बढ़ती महंगाई से पशु चारे की कीमत तो बाजार में तेजी से बढ़ रही थी लेकिन उतनी ही तेज से दूध की कीमत नीचे गिर रही थी। गांव के पशुपालकों से शहर और महानगर के बड़े डेयरी संचालक दूध बारह रुपये से पंद्रह रुपये प्रति लीटर की कीमत से खरीदकर अपने ग्राहकों को पैंतीस रुपये से चालीस रुपये प्रति लीटर की कीमत से बेचते हैं। इससे गांवों से शहर आने वाले दूध के व्यवसाय पर संकट आने से विरोध के रूप में दूध ,फल और सब्जियों की शहर में सप्लाई बंद कर दी थी।

पशु पालक स्थानीय प्रशासन के मुख्यालय पर प्रदर्शन कर राज्य सरकार से दूध का न्यूनतम मूल्य निर्धारित कर उन्हें उनका हक दिलाने की मांग कर रहे थे। हड़ताल के कारण दो दिनों में ही स्थिति विकट हो गई थी। पशुपालक आमजनता तक दूध पहुंचाने की बजाय अपनी मांगें मनवाने के लिए प्रशासन पर दबाव बनाते हुए सड़कों पर दूध ढोल रहे थे। सड़कों पर दूध को इस तरह बहाना किसी की भी समझ से परे था। इस तरह का व्यवहार जिससे आमजन को असुविधा हो किसी भी बात का हल नहीं था। दूध की ज्यादातर दुकानों के दो दिन से ताले ही नहीं खुले थे। कुछ खुली दुकानों ने कोल्ड स्टोर में रखा दूध सप्लाई किया। देखते ही देखते बाजार में सब्जियां और दूध गायब हो गए थे। कहीं पर मिल भी रहे थे तो कई गुना ज्यादा कीमत पर मिल रहे थे।

होटल में खाने की सब्जी और दूध चाय की कीमत मानो आसमान छूने लगी थी। ये हालात ज्यादा बिगड़ने की संभावना को देखते हुए उसे उस बार यहां आने का कार्यक्रम बनाने पर खुद पर गुस्सा आने लगा था। एक तरफ तो उमस भरी गर्मी कम होने का नाम नहीं ले रही थी, वहीं दूसरी तरफ दूध,सब्जी और फल वालों की बेमियादी हड़ताल ने इनकी कमी और कई गुना ज्यादा बढ़ी कीमतों ने उसको और परेशान कर दिया था। बहुत ज्यादा पैसा खर्च होने से उसका खर्च का बजट ही गड़बड़ाने लगा था। हालात तो यहां तक बिगड़ गए थे कि सनी के पीने के लिए भी कई बार कई गुना ज्यादा कीमत पर भी दूध नहीं मिलता था। एक रात को सोते समय वह अपना कार्यक्रम बदल कर वापिस अपने शहर लौटने का विचार कर लिया था।

सुबह उठकर राजन ने हालात को देखते हुए नेहा की शाम की वापिस अपने शहर चलने के बारे में बताया। अपनी सहमति देते हुए वह भी दिन भर में जितना घूमना संभव हो सकता था उसके लिए चलने के लिए तैयार थी। उस दिन मौसम का मिजाज सुबह कुछ बदलने और तेज हवा चलने के बावजूद भी दोपहर से पहले ही सूरज जमीन पर आग बरसाने लगा था। गर्मी और लू से लोगों को राहत नही मिल पा रही थी। लू के थपेड़े लोगों को झुलसा रहे थे। पसीना-पसीना कर देने वाली गर्मी और बिजली की कटौती ने सभी का जीना दुश्वार कर दिया था। मानसून आने से पहले गर्मी से राहत पाने के लिए बहुत दिनों से सभी जल्द बारिश होने की प्रार्थना कर रहे थे। राजन ने रुम बॉय को दूध की कीमत से कई गुना ज्यादा पैसे देकर किसी तरह सनी के लिए दो बोतल दूध की व्यवस्था करी और अपने तय कार्यक्रम के अनुसार महानगर में घूमने के लिए होटल से चल दिए।

असीमित विस्तार लिए समन्दर के किनारे घूमते हुए उनको दोपहर हो गई थी। दोपहर बाद ही आसमान में काले घने बादल छा गए थे। कुछ ही देर में बारिश भी शुरु हो गई जिसकी किसी को भी उम्मीद नहीं थी लेकिन जिसके होने की प्रार्थना सभी कर रहे थे। लोग गर्मी से राहत मिलने से खुश हो गए थे। इस बेमौसम बारिश के लिए महानगर के लोगों ने अपने बचाव के साधन की कोई व्यवस्था नहीं करी थी। समन्दर के किनारे घूमते उसके साथ और लोग भी बारिश से बचने के लिए सुरक्षित जगह ढूंढने में इधर-उधर देख रहे थे। समन्दर के किनारे बड़े -बड़े होटलों में बरसात रुकने तक कुछ समय के लिए आश्रय की उनको इजाजत नहीं मिली । देखते ही देखते मूसलाधार बारिश शुरु हो गई थी। उन्होंने देखा कि समन्दर के किनारे सड़क के दूसरी ओर कुछ दूरी पर बसी झुग्गी झोपड़ी की बस्ती के बाहर ही टीन शेड की बनी एक बड़ी गुमटीनुमा दुकान थी। नेहा अपनी साड़ी के पल्लू से सनी को ढककर किसी तरह तेज बारिश से उसे बचाते हुए तेज कदमों से चलते हुए राजन के साथ उस दुकान में आश्रय के लिए चली गई। रास्ते से गुजरते कुछ लोग तेज बारिश से बचने के लिए बस्ती की झोपड़ियों में भी चले गए थे। बस्ती के लोगों ने किसी को भी वहां आने से मना नहीं किया।

यह अव्यवस्थित सी एक दुकान थी जहां चाय और स्नैक्स मिलते थे। स्नैक्स के नाम पर लोहे की एक पुरानी अलमारी में लोकल ब्रांड के बिस्किट, टोस्ट और नमकीन थे। एक टेबल पर एक ओर रखे गैस चूल्हे पर दुकानदार चाय और मौसम को देखते हुए कड़ाई में पकोड़े भी बना रहा था। दुकान में बैठने के लिए किनारे पर रखी लोहे की चार बेंच थी जिस पर लोग बैठे हुए थे। बीच में खाली जगह पर एक गोल टेबल रखी थी। प्लास्टिक के कुछ स्टूल भी पड़े थे। उसके आसपास भी लोग खड़े हुए थे । पीने के पानी के लिए अलग से कैम्पर रखे हुए थे। बोतल बंद पानी उसके पास नजर नहीं आ रहा था। बारिश से बचने के लिए कुछ लोग वहां खड़े भी थे। दुकान के बाहर खड़े वाहन और वहां अंदर मौजूद लोगों को देखकर लगता था कि ज्यादातर लोग वहां केवल बारिश से बचने के लिए ही आए थे ,रोज आने वाले ग्राहक नहीं थे। दुकान की व्यवस्था को देखकर लगता था कि वहां दुकानदार और वहां काम करने वाला एक छोटा लड़का ही सारे काम करते थे। राजन और नेहा को देखकर वहां एक बेंच पर बैठे कुछ लोग खड़े हो गए और उन्हे बैठने के लिए कहा। सरसरी निगाह से देखने पर ही राजन और नेहा को वह जगह बिल्कुल पसंद नहीं आई। दुकान में चारों तरफ एक अजीब सी गन्ध आ रही थी। कोनों में मक्खियां भिनभिना रहीं थीं।लेकिन उस समय मजबूरी में उनके पास कोई और विकल्प भी नहीं था। छत की जगह लगे टीनशेड पर गिरती तेज बारिश की बूंदें अलग संगीत का प्रभाव पैदा कर रही थीं। दुकान के भीतर कच्ची जमीन पर से गुजरते बारिश के पानी के साथ कचरे से भी अपने पैरों को बचाने की लोग असफल कोशिश कर रहे थे। वहां खड़े लोगों और दुकानदार को राजन और नेहा की आपस में बातचीत और व्यवहार से लग गया था कि वे वहां खुद को सहज महसूस नहीं कर रहे थे। बारिश के कारण वहां आश्रय लिए कुछ लोग,भले मजबूरी ही सही, मौसम को देखते हुए दुकानदार से खरीदकर चाय पी रहे थे और कुछ लोग पकोड़े भी खा रहे थे। ज्यादा बिक्री की उम्मीद होने के कारण दुकानदार के चेहरे पर खुशी साफ नजर आ रही थी। उसने किसी को भी बारिश से बचने के लिए वहां आकर आश्रय लेने के लिए मना नहीं किया और न ही किसी को वहां कुछ भी खाने पीने के लिए बाध्य किया। उसे इस बात की कोई फिक्र नहीं थी कि उसकी दुकान में मौजूद कोई व्यक्ति खाने या पीने के लिए उससे कुछ खरीद रहा भी था या नहीं। दुकानदार और लड़का पास की बस्ती में ही रहने वाले लग रहे थे ।

बारिश रुकने का नाम ही नहीं ले रही थी। बाहर कुछ दूरी के बाद दिखाई ही नहीं दे रहा था। सड़क पर वाहनों और लोगों की आवाजाही थम सी गई थी। राजन को नहीं पता था कि उन्हे वहां कितनी देर और रुकना पड़ेगा ? लेकिन इतनी बारिश में नेहा और सनी के साथ होटल जाना उसे किसी भी तरह से ठीक नहीं लग रहा था। उसने वहीं बैठकर बारिश रुकने का इंतजार करना उचित समझा। कुछ देर तक तो सनी नेहा की गोदी में सोता रहा लेकिन बारिश में भीगने और मौसम के अचानक बदलने के कारण सनी को छींकें आने लगीं और खांसने लगा।उसके लगातार खांसने की आवाज सुनकर दुकानदार कांच के एक गिलास में कैम्पर में से पानी लेकर आया। नेहा ने उसको मना कर दिया। सनी को बोतल बंद पानी नहीं होने और वहां का माहौल देखते हुए वह पानी नहीं पिलाना चाहती थी। उसकी मानसिकता को समझते हुए दुकानदार ने पानी के कैम्पर की ओर इशारा करते हुए उसे सनी को पानी पिलाने के लिए कहा। राजन के कहने से नेहा ने सनी को पानी पिला दिया।पानी पीने के बाद सनी ने खांसना बंद कर दिया और फिर से सो गया। वो दोनों बारिश रुकने का इंतजार करने लगे।

कुछ देर बाद ही सनी नींद से जागा और जोर- जोर से रोने लगा। नेहा के प्यार से पुचकारने और कोमल हाथों से थपथपाने के बाद भी वह चुप नहीं हो रहा था। राजन और नेहा की सनी को चुप कराने की हर कोशिश असफल रही। उन्हे सनी के रोने का कारण समझ नहीं आ रहा था। सनी को रोता देख दुकानदार ने नेहा को उसे दूध पिलाने के लिए कहा। नेहा ने जब अपने बैग से दूध की दोनों बोतलें निकाली तो दोनों बोतलें खाली थीं। नेहा को याद ही नहीं रहा कि वह सनी को दूध की दोनों बोतलें पिला चुकी थी। अन्यथा वह समय पर उनमें फिर से दूध डलवा देती। यह देखकर राजन और नेहा के चेहरे पर चिंता और परेशानी की लकीरें दिखाई देने लगीं।

उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि इस तेज बारिश में दूध की व्यवस्था कैसे होगी ? बारिश के बावजूद अगर राजन दूध लेने जाता भी तो कहां ? क्या वह इस दुकानदार को दूध के लिए कहे ? कहीं इसने दूध के लिए मना कर दिया तो वह सनी के लिए कहां से व्यवस्था करेगा ? इस तरह के कई सवाल उसे परेशान कर रहे थे। उसके लिए तो यह इलाका नया था और हड़ताल के कारण दूध मिलने की संभावना भी न के बराबर थी। उनकी परेशानी को भांपकर दुकानदार ने अपने लड़के को घर से दूध लाने के लिए कहा। तेज बारिश में भीगता हुआ लड़का कुछ ही देर में ढके हुए एक बड़े जग में दूध ले आया। दुकानदार ने खुद गर्म पानी से दोनों बोतलें साफ करीं और दूध से भर दीं। बाकी का दूध उसने अपने चाय के दूध के भगोने में डाल दिया। दूध के लिए भी नेहा ने जब मना किया तो राजन ने उसे समझाया और सनी को दूध पिलाने के लिए कहा। बोतल से दूध पीते ही सनी चुप हो गया और कुछ देर में बाद ही आसपास की आवाजों और बारिश से बेखबर वह फिर से सो गया। सनी के रोने का कारण उसका भूखा होना था और उसका उपाय हो चुका था।

राजन और नेहा ने दिल से दुकानदार को शुक्रिया अदा किया और उससे दूध के पैसे पूछे।यह सुनकर दुकानदार की आंखें नम हो गईं और वह बोला , साहब, हम लोग गरीब दुकानदार जरूर हैं लेकिन इंसान भी हैं। हम हर बेची हुई चीज की कीमत के पैसे लेते हैं। लेकिन मैं बच्चे के दूध के पैसे नहीं लेता। मेरे अंदर इंसानियत अभी जिंदा है और मेरी संवेदनाएं भी मरी नहीं। आपको यदि कोई सामान खुद के लिए यहां से लेना हो तो उसके पैसे मैं आपसे जरुर लूंगा। यह कहकर वह अपने काम में लग गया। यह सुनकर राजन का मन आत्मग्लानि से भर गया। वह चाहता था कि उनके व्यवहार के कारण दुकानदार उन्हे उलाहना दे और खरी खोटी सुनाए। लेकिन उस दुकानदार के दिल में किसी तरह का कोई विकार नहीं था।

कुछ ही देर में बाहर बारिश थम गई थी। लेकिन राजन के मन में कई तरह के सवालों के बादल उमड़ने लगे थे। एक ओर तो सड़कों पर दूध ढोलते गांवों के पशुपालक और बड़े होटलों में कई गुना ज्यादा कीमत पर दूध बेचते संवेदनहीन लोग वहीं दूसरी ओर यह गरीब दुकानदार जो इंसानियत की जीती जागती मिसाल था। उसकी आँखों में धुंध सी छाने लगी थी जो न जाने कब आंसू बनकर ढुलक पड़ती। उसने हिचकिचाते हुए अपने भीगे स्वर से धन्यवाद कहते हुए दुकानदार से हाथ मिलाया। दुकानदार की आंखों में उनके प्रति अपार स्नेह देख उसका वजूद ही पिघलने लगा। वह अंदर तक भीग गया और उसकी आँखों में आंसू अटक गए थे। नेहा की आवाज सुनकर राजन अचानक वर्तमान में लौटा। उसने देखा कि आसमान पर से बादल छंट चुके थे । बाहर शाम गहरा गई थी। पश्चिम में डूबता सूरज दूर से मानो समन्दर में डूबता नजर आ रहा था। खामोश समन्दर की लहरों पर डूबते सूरज की फैली सुनहरी रौशनी से अनोखा दृश्य दिखने लगा था । वह भी एक अनोखे अनुभव की यादों में फिर से डूब कर बाहर आ गया था । उस दुकानदार का चेहरा राजन की आँखों के सामने उस वक़्त भी घूम रहा था।

सुधीर केवलिया
फोन नं. : 09413279217

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

बेसुरा होना कठिन है

एक संगीतमय आध्यात्मिक आयोजन से लौट रहे थे। वृंद के एक युवा गायक ने किसी संदर्भ में एकाएक कहा, गुरुजी, बेसुरा गाना बहुत कठिन है। उसके इस वाक्य पर पूरे वृंद में एक ठहाका उठा। कुछ क्षण तो मैं भी उस ठहाके में सम्मिलित रहा पर बाद में ठहाका अंतर्चेतना तक ले गया और चिंतन में बदल गया। इतनी सरलता से कितनी बड़ी बात कह गया यह होनहार युवक कि बेसुरा होना कठिन है।

जीवन जीने के लिए मिला है। जीने का अर्थ हर श्वास में एक जीवन उत्पन्न करना और उस श्वास को जी भर जीना है। श्वास और उच्छवास भी मिलकर एक लय उत्पन्न करते हैं, अर्थात साँसों में भी सुर है। सुर का बेसुरा होना स्वाभाविक नहीं है। वस्तुत: 'बेसुरा होना कठिन है', इस वाक्य में अद्भुत जीवन-दर्शन छिपा है। इस दर्शन का स्पष्ट उद्घोष है कि जीवन सकारात्मकता के लिए है।

स्मरण आता है कि जयपुर से वृंदावन की यात्रा में एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश से न्यायप्रणाली की विसंगतियों को लेकर संवाद हुआ था। उन्होंने बताया कि न्यायालय में आया हर व्यक्ति प्रथमदृष्टया न्यायदेवता के लिए निर्दोष है। उसे दोषी सिद्ध करने का काम पुलिस का है, व्यवस्था का है ।

महत्वपूर्ण बात है कि न्यायदेवता हरेक को पहले निर्दोष मानता है। इसका एक अर्थ यह भी है कि मनुष्य का मूल सज्जनता है। यह हम ही हैं जो भीतर के सज्जन को दुर्जन करने के अभियान में लगे होते हैं।

जीवन का अभियान सुरीला है, जीवन गाने के लिए है। नदी को सुनो, लगातार कलकल गा रही है। समीर को सुनो, निरंतर सरसर बह रहा है। पत्तों को सुनो, खड़खड़ाहट, एक स्वर, एक लय, एक ताल में गूँज रही है। बूँदों की टपटप सुनो, जो बरसात के साथ जब नीचे उतरती हैं तो एक अलौकिक संगीत उत्पन्न होता है। बादल की गड़गड़ाहट हो या बिजली की कड़कड़ाहट, संगीत का रौद्र रस अवतरित होता है। कभी रात्रि के नीरव में रागिनी का दायित्व उठाने वाले कीटकों के स्वर सुनो। बरसात में मेंढ़क की टर्र-टर्र सुनो। कोयल की 'कुहू' सुनो, मोर की 'मेहू' सुनो। प्रकृति में जो कुछ सुनोगे वह संगीत बनकर कानों में समाएगा। शून्य में, निर्वात में जो कुछ अनुभव हो रहा है, वह संगीत है। तुम्हारे मन में जो गूँज रहा है, उसकी अनुगूँज भी संगीत है। हर तरफ राग है, हर तरफ रागिनी सुनाई पड़ रही है। यह कल्लोल है, यह नाद है, यही निनाद है।

इन सुरों को हम भूल गए। हमारे कान आधुनिकता और शहरीकरण के प्रदूषण से ऐसे बंद हुए कि प्रकृति का संगीत ही विस्मृत हो चला। हमने जीवन में प्रदूषण उत्पन्न किया, हमने जीवन में कर्कशता उत्पन्न की, हमने जीवन में कलह उत्पन्न किया, हमने जीवन में असंतोष उत्पन्न किया, हमने जीवन में अनावश्यक संघर्ष उत्पन्न किया। इन सबके चलते सुरीले से बेसुरे होने की होड़-सी लग गई।

कभी विचार किया कि इस होड़ में क्या-क्या खोना पड़ा? परिवार छूटा, आपसी संबंध छूटे, संतोष छूटा, नींद छूटी, स्वास्थ्य का नाश हुआ। इतना सब खोकर कुछ पाया भी तो क्या पाया,...बेसुरा होना!.. सचमुच बेसुरा होना कठिन है। संसार सुरीला है। जीवन के सुरीलेपन की ओर लौटो। तुम्हारा जन्म सुरीलेपन के लिए हुआ है। सुरमयी संसार में सुरीले बनो। यही तुम्हारा मूल है, यही तुम्हारी प्रकृति है, यही तुम्हारी संस्कृति है। स्मरण रहे, सुरीला होना प्राकृतिक है, सुरीला होना सहज है, सुरीला होना सरल है, बेसुरा होना बहुत कठिन है।

बोध कथा

आखिर में यह भी नहीं रहेगा

एक साधु देश में यात्रा के लिए पैदल निकला हुआ था। एक बार रात हो जाने पर वह एक गाँव में आनंद नाम के व्यक्ति के दरवाजे पर रुका। आनंद ने साधू की खूब सेवा की। दूसरे दिन आनंद ने बहुत सारे उपहार देकर साधू को विदा किया। साधू ने आनंद के लिए प्रार्थना की भगवान करे तू दिनों दिन बढ़ता ही रहे। साधू की बात सुनकर आनंद हँस पड़ा और बोला अरे, महात्मा जी! जो है यह भी नहीं रहने वाला। साधू आनंद की ओर देखता रह गया और वहाँ से चला गया। दो वर्ष बाद साधू फिर आनंद के घर गया और देखा कि सारा वैभव समाप्त हो गया है। पता चला कि आनंद अब बगल के गाँव में एक जमींदार के यहाँ नौकरी करता है। साधू आनंद से मिलने गया।

आनंद ने अभाव में भी साधू का स्वागत किया। झोंपड़ी में फटी चटाई पर बिठाया। खाने के लिए सूखी रोटी दी। दूसरे दिन जाते समय साधू की आँखों में आँसू थे। साधू कहने लगा हे भगवान ! ये तूने क्या किया? आनंद पुन: हँस पड़ा और बोला महाराज आप क्यों दु:खी हो रहे है? महापुरुषों ने कहा है कि भगवान इन्सान को जिस हाल में रखे, इन्सान को उसका धन्यवाद करके खुश रहना चाहिए। समय सदा बदलता रहता है और सुनो! यह भी नहीं रहने वाला। साधू मन ही मन सोचने लगा मैं तो केवल भेष से साधू हूँ। सच्चा साधू तो तू ही है, आनंद। कुछ वर्ष बाद साधू फिर यात्रा पर निकला और आनंद से मिला तो देखकर हैरान रह गया कि आनंद तो अब जमींदारों का जमींदार बन गया है। मालूम हुआ कि जिस जमींदार के यहाँ आनंद नौकरी करता था वह सन्तान विहीन था, मरते समय अपनी सारी जायदाद आनंद को दे गया। साधू ने आनंद से कहा अच्छा हुआ, वो जमाना गुजर गया। भगवान करे अब तू ऐसा ही बना रहे। यह सुनकर आनंद फिर हँस पड़ा और कहने लगा महाराज! अभी भी आपकी नादानी बनी हुई है।

साधू ने पूछा क्या यह भी नहीं रहने वाला? आनंद उत्तर दिया हाँ! या तो यह चला जाएगा या फिर इसको अपना मानने वाला ही चला जाएगा। कुछ भी रहने वाला नहीं है और अगर शाश्वत कुछ है तो वह है परमात्मा और उस परमात्मा की वंश आत्मा। आनंद की बात को साधू ने गौर से सुना और चला गया। साधू कई साल बाद फिर लौटता है तो देखता है कि आनंद का महल तो है किन्तू कबूतर उसमें गुटरगूं कर रहे हैं, और आनंद का देहांत हो गया है। बेटियाँ अपने-अपने घर चली गयीं, बूढ़ी पत्नी कोने में पड़ी है। साधू कहता है अरे इन्सान! तू किस बात का अभिमान करता है? क्यों इतराता है? यहाँ कुछ भी टिकने वाला नहीं है, दु:ख या सुख कुछ भी सदा नहीं रहता। तू सोचता है पड़ोसी मुसीबत में है और मैं मौज में हूँ। लेकिन सुन, न मौज रहेगी और न ही मुसीबत। सदा तो उसको जानने वाला ही रहेगा। सच्चे इन्सान वे हैं, जो हर हाल में खुश रहते हैं। मिल गया माल तो उस माल में खुश रहते हैं, और हो गये बेहाल तो उस हाल में खुश रहते हैं। साधू कहने लगा धन्य है आनंद! तेरा सत्संग, और धन्य हैं तुम्हारे सतगुरु! मैं तो झूठा साधू हूँ, असली फकीरी तो तेरी जिन्दगी है। अब मैं तेरी तस्वीर देखना चाहता हूँ, कुछ फूल चढ़ाकर दुआ तो मांग लूं। साधू दूसरे कमरे में जाता है तो देखता है कि आनंद ने अपनी तस्वीर पर लिखवा रखा है आखिर में यह भी नहीं रहेगा।

वीर गाथा

नायक भीम सिंहः ग्रेनेड धमाके में भी नहीं डिगा हौसला, खूंखार आतंकवादी को किया ढेर

नायक भीम सिंह का जन्म हरियाणा के सिरसा जिले में स्थित डिंग गांव में हुआ था। माता रेशमा देवी और पिता देवी लाल के बेटे भीम भारतीय सेना की राजपूताना राइफल्स में भर्ती हुए थे। बाद में उन्हें राष्ट्रीय राइफल्स की 9वीं बटालियन में नियुक्त कर दिया गया।

26 सितंबर, 2022 को सेना को अपने खुफिया सूत्रों से सूचना मिली कि दक्षिण कश्मीर के एक गांव में कुछ आतंकवादी छिपे हुए हैं। उस समय भीम सिंह कॉम्बैट टीम कमांडर थे। सूचना का विश्लेषण करने के बाद उन्हें आदेश दिया गया कि वे उस गांव में जाएं और वहां घेराबंदी एवं तलाशी अभियान शुरू करें। भीम सिंह ने वहां पहुंचकर सबसे पहले आम नागरिकों को बाहर निकालना शुरू किया। अचानक आतंकवादियों ने उनकी ओर गोलीबारी की। उन्होंने नागरिकों की ओर ग्रेनेड भी फेंके। इससे एक अधिकारी घायल हो गया था।

भीम सिंह ने उस आतंकवादी को तुरंत निशाने पर लिया और उसे बुरी तरह घायल कर दिया। इस दौरान उन्होंने घायल अधिकारी को सुरक्षित जगह पर पहुंचाया। भीम सिंह ने एक और बड़ा जोखिम लिया। वे रेंगते हुए आगे बढ़े। उन्होंने पक्का इरादा कर लिया था कि आतंकवादी को बचकर नहीं जाने देंगे।

शाम लगभग सवा सात बजे आतंकवादी ने ग्रेनेड फेंक कर भागने की कोशिश। उसी क्षण भीम सिंह ने गोली चलाई और आतंकवादी वहीं ढेर हो गया। इस तरह उन्होंने कई लोगों की जान बचाई।

नायक भीम सिंह ने जिस निडरता, वीरता और पराक्रम के साथ अपना कर्तव्य निभाया, वह अत्यंत प्रशंसनीय है। उन्हें 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

एयर शो

राजकोट के अटल सरोवर में सूर्य किरण एरोबैटिक टीम के एयर शो के हिस्से के तौर पर ऑर्गनाइज एक एग्जिबिशन के दौरान विज़िटर्स तस्वीरें क्लिक करते हुए।

पुतिन के लिए राजकीय भोज में गर्मजोशी भरा और आत्मीय माहौल था: थरूर

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने कहा है कि शुक्रवार रात रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के लिए आयोजित राजकीय भोज में गर्मजोशी भरा और आत्मीय माहौल था तथा कई लोगों से बातचीत करना आनंददायक था। थरूर की यह टिप्पणी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा पुतिन के सम्मान में दिए गए भोज के एक दिन बाद आई है। थरूर ने शनिवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, शुक्रवार रात राष्ट्रपति पुतिन के लिए राष्ट्रपति भवन में आयोजित भोज में शामिल हुआ। माहौल बेहद गर्मजोशी भरा और आत्मीय था।

वहां उपस्थित कई लोगों से बातचीत करने का आनंद लिया, खासतौर पर रूसी प्रतिनिधिमंडल से आए साथी बेहद अच्छे थे। राष्ट्रपति मुर्मू ने भोज के दौरान पुतिन और उनके प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए कहा कि यह यात्रा भारत-रूस रणनीतिक साझेदारी की 25वीं वर्षगांठ का महत्वपूर्ण पड़ाव है।

मुर्मू ने भारत-रूस विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी के लिए पुतिन के समर्थन और व्यक्तिगत प्रतिबद्धता की भी सराहना की। कांग्रेस ने शुक्रवार को दावा किया था कि पुतिन के सम्मान में राष्ट्रपति भवन में आयोजित राजकीय भोज में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को आमंत्रित नहीं किया गया है।

रैली

पश्चिम बंगाल कांग्रेस प्रेसिडेंट शुभंकर सरकार बीआर अंबेडकर के खिलाफ एक सद्भावना रैली के दौरान।

अगले साल की शुरुआत में भारत को एलएमजी की पहली खेप की आपूर्ति करने की योजना: इजराइली रक्षा कंपनी

यरुशलम/भाषा

इजराइल की एक प्रमुख रक्षा कंपनी ने बताया कि उसकी योजना अगले साल की शुरुआत में भारत को 40,000 लाइट मशीन गन (एलएमजी) की पहली खेप की आपूर्ति करने की है जबकि लगभग 1,70,000 नए जमाने की कार्बाइन (एक प्रकार की बंदूक) की आपूर्ति के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर से जुड़ी प्रक्रिया अंतिम चरण में है।

'इजराइल वेपन इंडस्ट्रीज' (आईडब्ल्यूआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) शुकी श्वार्ट्ज ने यह भी बताया कि उनकी कंपनी वर्तमान में भारत के गृह मंत्रालय की विभिन्न एजेंसियों के साथ मिलकर पिस्तौल, राइफल और मशीन गन सहित उनके उत्पादों का विपणन कर रही है। श्वार्ट्ज ने 'पीटीआई' को दिए एक साक्षात्कार में कहा, हम अभी तीन महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में शामिल हैं। पहला, 40,000 लाइट मशीन गन का अनुबंध, जिस पर पिछले साल हस्ताक्षर किए गए थे। हमने सभी परीक्षण और सरकारी जांच पूरी कर ली है तथा हमें उत्पादन का लाइसेंस मिल गया है। हमारा इरादा साल की शुरुआत में पहली खेप की आपूर्ति करने का है। उन्होंने आपूर्ति की समय-सीमा के बारे में पूछे जाने पर कहा, एलएमजी की आपूर्ति पांच साल के लिए है। हम इसे और भी जल्दी दे सकते हैं लेकिन पहली आपूर्ति साल की शुरुआत में होगी।

श्वार्ट्ज ने बताया कि दूसरे कार्यक्रम में सीक्यूबी (क्लोज क्वार्टर्स बैटल) कार्बाइन निविदा शामिल है, जहां कंपनी दूसरी बोलीदाता थी। 'भारत फोर्ज' प्राथमिक बोलीदाता है। उन्होंने बताया, हमारा इरादा अनुबंध का 40 प्रतिशत आपूर्ति करने का है। हम अनुबंध पर हस्ताक्षर करने की प्रक्रिया में हैं और मेरा मानना है कि इस साल के अंत या अगले साल की शुरुआत तक इसे अंतिम रूप दे दिया जाएगा।

'सीक्यूबी कार्बाइन' की आपूर्ति का 60 प्रतिशत 'भारत फोर्ज' करेगा जबकि शेष 40 प्रतिशत (170,000 इकाइयां) अदाणी समूह की सहायक कंपनी पीएलआर सिस्टम्स द्वारा वितरित की जाएंगी। उन्होंने 'पीएलआर सिस्टम्स' के माध्यम से अदाणी समूह के साथ एक मजबूत साझेदारी पर भी प्रकाश डाला, जो हल्के हथियारों के निर्माण और स्थानीय स्तर पर आर्बेल प्रणालियों के एकीकरण पर केंद्रित है। श्वार्ट्ज ने यूरोपीय देशों द्वारा कुछ उपकरणों की आपूर्ति पर हाल ही में लगाए गए प्रतिबंध के बारे में पूछे जाने पर कहा, इस कारण से इजराइल को अपनी आत्मनिर्भरता बढ़ाने की आवश्यकता है और वैश्विक स्तर पर रक्षा बलों का समर्थन करने के लिए हमारी अपनी आपूर्ति श्रृंखला है। हमने अपने मिशन को आगे बढ़ाने के लिए इस आपूर्ति श्रृंखला का विकास किया है।

जिंदगी के आखिरी सफर तक हमारी पहचान एक भारतीय के तौर पर होनी चाहिए : योगी

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर शनिवार को उन्हें याद करते हुए कहा कि जन्म से लेकर जिंदगी के आखिरी सफर तक हमारी पहचान एक भारतीय के तौर पर होनी चाहिए।

उत्तर प्रदेश होमगार्ड के 63वें स्थापना दिवस पर यहां आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि आज बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर का 'महापरिनिर्वाण दिवस' है, और यह एक ऐसा दिन है जो प्रेरणा देता है।आदित्यनाथ ने कहा, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर ने हर भारतीय को प्रेरित किया है। वह कहते थे कि हमारी पहचान मेरे परिवार, मेरी जाति, मेरे क्षेत्र और मेरी भाषा से नहीं है। बल्कि, हर भारतीय के मन में यह भावना होनी चाहिए कि जन्म से लेकर जिंदगी के आखिरी सफर तक हमारी पहचान एक भारतीय के तौर पर होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश होम गार्ड की स्थापना छह दिसंबर 1963 को हुई थी और तब से यह संगठन उत्तर प्रदेश पुलिस बल के लिए एक अटूट सुरक्षा कवच और एक मजबूत सहायक तंत्र बना हुआ है। उन्होंने कहा, हमने अक्सर देखा कि होम गार्ड कर्मियों को नजरअंदाज किया जाता था। लेकिन, अब उन्हें राष्ट्रपति का सम्मान मिल रहा है। गृह मंत्रालय भी उन्हें पुरस्कारों से सम्मानित कर रहा है। और मैं आज यहां सम्मानित हुए सभी अधिकारियों और कर्मियों को दिल से बधाई देता हूं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि होम गार्ड संगठन अब सिर्फ पुलिस का सहायक नहीं रहा, अब वे पुलिस के साथ कानून-व्यवस्था और शांति बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। उन्होंने कहा कि यातायात प्रबंधन, डायल-112 सेवाओं में और चुनाव ड्यूटी के दौरान होम गार्ड कर्मियों का सराहनीय योगदान न केवल राज्य में बल्कि देश के विभिन्न राज्यों में भी साफ दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि फिलहाल, राज्य में आपदा प्रतिक्रिया स्वयंसेवकों की नियुक्ति की जा रही है।

'शोले' के री-रिलीज से पहले सामने आया फिल्म का ट्रेलर, ताजा हुईं पुरानी यादें

मुंबई/एजेन्सी

कल्ट क्लासिक फिल्म 'शोले' पर्दे पर एक बार फिर रिलीज के लिए तैयार है और दर्शकों के बीच एक बार फिर शोले की पुरानी यादों को ताजा करने के लिए मेकर्स ने शोले: द फाइनल कट का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। ट्रेलर में इस बार म्यूजिक की बीट को बिल्कुल ही बदल दिया गया है। कल्ट क्लासिक फिल्म शोले: द फाइनल कट 12 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस बार फिल्म 4के रिस्टोर्ड वर्जन के साथ पर्दे पर दिखाई जाएगी। फिल्म के री-रिलीज से पहले ट्रेलर ने धमाका मचा दिया है। ट्रेलर की शुरुआत पुरानी ट्रेन की सीटी और डाकुओं से होती है, जो ट्रेन को लूट रहे हैं, लेकिन तभी एंट्री होती है धर्मेंद्र और अमिताभ बच्चन की, जो कोई भी काम बिना पैसों के नहीं करते हैं। ट्रेलर में ठाकुर जय और वीरू के स्वभाव के बारे में भी बताते हैं कि दोनों बदमाश हैं लेकिन दिल के बुरे नहीं हैं।

शोले: द फाइनल कट के ट्रेलर ने दर्शकों की पुरानी यादें ताजा कर दी हैं और वे फिल्म के सिनेमाघरों में री-रिलीज का इंतजार नहीं कर पा रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, क्या ही शानदार ट्रेलर है, ऐसा लग रहा है जैसे सिनेमाघरों में कोई नई फिल्म रिलीज हो रही हो। खासकर इलेक्ट्रिक गिटार के साथ मेन थीम म्यूज़िक का मिक्स वाकई कमाल लग रहा है। एक अन्य यूजर ने लिखा, धर्मेंद्र जी के जाने के बाद एक बार फिर जय-वीरू की जोड़ी को पर्दे पर देखने का इंतजार नहीं हो रहा है। बता दें कि भारत की सबसे प्रसिद्ध ब्लॉकबस्टर फिल्म 'शोले' की 50वीं वर्षगांठ के मौके पर फिल्म को री-रिलीज किया जा रहा है। फिल्म को सबसे पहले 15 अगस्त 1975 के दिन सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था।

रिलीज के शुरुआती दिन फिल्म कुछ खास नहीं चली, मेकर्स को लगने लगा कि फिल्म फ्लॉप है, लेकिन धीरे-धीरे फिल्म ने रफ्तार पकड़ी और फिल्म लगभग 5 साल तक थिएटर में लगातार चली। बताया जाता है कि मुंबई के मिनर्वा थिएटर में फिल्म 5 साल तक लगी थी। फिल्म की सफलता को देखते हुए साल 2004 में फिल्म के 30 साल पूरे होने पर दोबारा रिलीज किया गया, जिसके बाद साल 2014 में 3डी वर्जन में और फिर अब 2025 में फॉर के रिस्टोर्ड वर्जन के साथ रिलीज होने वाली है।

लिटरेचर फेस्टिवल

बेंगलूरु में शनिवार को राज्यसभा सांसद सुधा मूर्ति शनिवार को फ्रीडम पार्क में बेंगलूरु लिटरेचर फेस्टिवल के 14वें एडिशन के दौरान एक किताब पर साइन करती हुईं।

प्राइम वीडियो पर 19 से प्रसारित होगा 'फोर मोर शॉट्स प्लीज!'

मुंबई/भाषा

स्ट्रीमिंग मंच 'प्राइम वीडियो' ने शुक्रवार को वेब सीरिज 'फोर मोर शॉट्स प्लीज!' के चौथे और अंतिम सीजन का प्रसारण 19 दिसंबर से होने की घोषणा की। रंजीता प्रीतीश नंदी व इशिता प्रीतीश नंदी द्वारा निर्मित इस अंतिम सीजन में सयानी गुप्ता, कीर्ति कुल्हारी, बानी जे और मानवी गगरू फिर से अपने-अपने किरदार निभाती दिखाई देंगी। 'प्राइम वीडियो' ने एक बयान में बताया कि चौथा सीजन दोस्ती, आजादी और आधुनिक युग की महिलाओं के जीवन की जटिलताओं को दर्शाता है। अंतिम सीजन में दामिनी (गुप्ता), उमंग (बानी जे), अंजना (कुल्हारी) व सिद्धि (गगरू) की कहानी दिखाई गई है, जो एक समझौते के साथ लौटती हैं और उनके जीवन की नई कशमकश व भावनात्मक उथल-पुथल की शुरुआत होती है। 'प्राइम वीडियो', इंडिया के निदेशक और ओरिजिनल्स प्रमुख निखिल मधोक ने कहा, फोर मोर शॉट्स प्लीज!' एक ऐसी सीरीज है, जिसने महत्वपूर्ण मुद्दों पर बातचीत की शुरुआत की, अनगिनत दर्शकों को प्रेरित किया और महिला-प्रधान कहानी कहने की सीमाओं को आगे बढ़ाया।

उन्होंने कहा, इस शो की ईमानदारी, बेबाक नजरिया और जीवंत किरदारों ने न सिर्फ भारत में बल्कि पूरी दुनिया में लोगों का दिल जीत लिया। अब जबकि हम अंतिम सीजन की शुरुआत कर रहे हैं, हमें इन बेहद पसंद किए गए और चर्चित मुख्य किरदारों की कहानियों को बयां करते हुए गर्व हो रहा है।

उर्मिला मातोंडकर ने 'गुस्ताख इश्क' को बताया 'विश्व-स्तरीय' फिल्म

मुंबई/एजेन्सी

मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा शुक्रवार को अपना जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर अभिनेत्री उर्मिला मंतोडकर ने खास अंदाज में जन्मदिन की बधाई दी। अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर ने मनीष के काम और फिल्म की तारीफ करते हुए इंस्टाग्राम पर मनीष के घर हुई पार्टी की तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसके साथ उन्होंने लिखा, 'मिरेकल मैन' मनीष मल्होत्रा के साथ एक क्लासी और शानदार शाम थी। हर पल यादगार रहा। मनीष, आपने 'गुस्ताख इश्क' जैसी विश्व-स्तरीय फिल्म बनाकर सच में साबित कर दिया कि अगर इंसान लगातार मेहनत करे, सपने देखे और बिना रुके काम करे, तो चमत्कार सच में हो जाते हैं। आने वाला साल आपके लिए और भी सफलताओं और बेहद खास मुकामों से भरा हो! जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। आपका हर दिन शानदार रहे। मनीष मल्होत्रा आज किसी पहचान के मोहताज नहीं है, उन्होंने अपने करियर में कई सेलेब्स और नामी लोगों के लिए ड्रेस बनाई है और उन्होंने फिल्म 'गुस्ताख इश्क' से प्रोडक्शन में डेब्यू कर लिया है। विभु पुरी द्वारा निर्देशित फिल्म में अभिनेत्री फातिमा सना शेख और अभिनेता विजय वर्मा मुख्य भूमिका में हैं। इसके अलावा, फिल्म में अनुभवी अभिनेता नसीरुद्दीन शाह और प्रतिभाशाली कलाकार शारिब हाशमी भी अहम भूमिका में हैं।

वहीं, फिल्म का संगीत मशहूर जोड़ी गुलजार और विशाल भारद्वाज ने मिलकर दिया है। ये दोनों पहले भी कई यादगार गाने बना चुके हैं। रिलीज के बाद फिल्म को दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है।

शुरुआत में रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'गुस्ताख इश्क' ने दर्शकों का ध्यान खींचा, लेकिन बाद में धनुष और कृति सेनन की इंटेंस लव स्टोरी 'तेरे इश्क में' से क्लैश के बाद फिल्म की कमाई रफ्तार नहीं पकड़ सकी।

फिल्म की कहानी पुरानी दिल्ली की संकरी गलियों और पंजाब की पुरानी कोठियों के बीच एक अधूरी लेकिन गहन प्रेम कथा पर है। विभु पुरी द्वारा निर्देशित 'गुस्ताख इश्क' 28 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

'मेरा नाम जोकर' से लेकर पठान तक', इन फिल्मों में फिल्माई गई रूस की अलग-अलग लोकेशन

मुंबई/एजेन्सी

हिंदी सिनेमा और रूस के बीच एक पुराना सांस्कृतिक संबंध है, जो हर साल मजबूत होता जा रहा है। दोनों देशों के बीच बढ़ते सांस्कृतिक संबंधों के साथ-साथ पर्यटन और राष्ट्रीय आय को भी बढ़ावा मिला है। शीत युद्ध के समय रूस ने राजनीतिक संबंध स्थापित करने के बाद अपने बाजारों को हिंदी सिनेमा के लिए खोला था, जिसके बाद न सिर्फ वहां फिल्में रिलीज की गईं बल्कि कई अलग-अलग लोकेशन पर फिल्मों की शूटिंग भी हुई। आज हम उन फिल्मों के बारे में बताएंगे जिनकी शूटिंग रूस में हुई। 1970 में रिलीज हुई राज कपूर की फिल्म 'मेरा नाम जोकर' रूस में बहुत पसंद की गई थी। राज कपूर रशिया के सिनेमा प्रेमी दर्शकों के लिए भगवान की तरह थे, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि इस फिल्म में रशियन अभिनेत्री सेनिया लावोव्ना रियाबिनकिना के साथ अभिनेता ने फिल्म के कुछ सीन को मास्को में फिल्माया था।

सलमान खान और स्नेहा उल्लाल की साल 2005 में आई फिल्म 'लकी: नो टाइम फॉर लव' के कुछ सीन और रोमांटिक गाने सेंट पीटर्सबर्ग पर शूट किए गए थे। तमिल एक्शन फिल्म 'धाम धूम' की शूटिंग भी रशिया में हुई थी। इस फिल्म में कंगना रनौत का भी छोटा सा रोल था। फिल्म की शुरुआत ही रशिया के खूबसूरत शहर मास्को से होती है। फिल्म का बहुत सारा हिस्सा रूस के अलग-अलग हिस्सों में फिल्माया गया है। साल 2022 में रिलीज हुई आर माधवन की रॉकेट्री: द नंबी इफेक्ट' के कुछ सीन को रूस में शूट किया गया था। टीम ने साल 2019 में रूस में शूटिंग की थी और वहां पांच दिन तक खराब मौसम के बाद काम किया था। इसके अलावा, सलमान खान की 'एक था टाइगर' को भी रूस में शूट किया गया था।

साल 2023 में आई शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण अभिनीत 'पठान' के कुछ सीन और गानों को रूस की बैकाल झील के पास शूट किया था। फिल्म पर्दे पर सुपरहिट साबित हुई थी। कुछ फिल्में ऐसी भी थीं, जिन्हें भारत और सोवियत संघ ने एक साथ मिलकर बनाया था। साल 1981 में 'एडवेंचर्स ऑफ अली-बाबा एंड द फोर्टी थीव्स' को दोनों देशों के निर्माताओं ने मिलकर बनाया था। हिंदी सिनेमा ने रशिया और भारत के बीच सांस्कृतिक कूटनीति को मजबूत बनाने के लिए प्रभावी तकनीक के रूप में काम किया है, जिससे राजनीतिक और रणनीतिक साझेदारी से परे दोनों देशों के बीच, लोगों के बीच संबंधों को मजबूती मिली है। इसी का नतीजा है कि आज रशिया में हिंदी फिल्मों को समर्पित एक बॉलीवुड चैनल का प्रसारण भी होता है, जिस पर 24 घंटे बॉलीवुड फिल्में दिखाई जाती हैं।

मेरा सफर, चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ संतुष्टिपूर्ण भी है : नुसरत भरुचा

मुंबई/एजेन्सी

हाल ही में अपने एक इंटरव्यू के दौरान नुसरत भरुचा ने 'छोरी 2' के सफ़र पर की दिल छू लेने वाली बात कहते हुए बताया कि एक लड़की के लिए अपना फ्रेंचाइज़ी बनाना आसान नहीं होता, लेकिन उन्होंने इसे आखिरकार कर ही दिखाया। इसमें दो राय नहीं है कि नुसरत भरुचा ने एक ऐसे दौर में अपनी अलग जगह बनाई है, जहाँ महिला-प्रधान फिल्म फ्रेंचाइज़ी बहुत कम देखने को मिलती हैं। 'छोरी' के बाद 'छोरी 2' के सफल प्रदर्शन के बाद नुसरत अब हॉरर यूनिवर्स के अगले चरण यानी 'छोरी 3' के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हालांकि वे इसे एक ऐसी उपलब्धि मानती हैं, जो चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ बेहद संतोषजनक भी है। अपने फ़िल्मी सफ़र पर बात करते हुए नुसरत ने कहा, छोरी 1 और 2 मेरे लिए बहुत मायने रखते हैं। अब हम एक और भाग शुरू कर रहे हैं, और सच कहूँ तो एक लड़की के लिए अपनी खुद की फ्रेंचाइज़ी बनाना वाकई बहुत मुश्किल होता है। हालांकि मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानती हूँ कि इसमें मेरे प्रोड्यूसर, मेरे डायरेक्टर और हर को-एक्टर ने मेरा भरपूर साथ दिया। सच, मैं ये उस लड़की की तरह कह रही हूँ, जिसे लगता था कि वो सिर्फ़ एक रोम-कॉम एक्ट्रेस बनकर ही रह जाएगी। सो छोरी की तरफ़ से ये आप सबके लिए है। नुसरत के लिए छोरी सिर्फ़ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक व्यक्तिगत विकास की यात्रा है। हल्की-फुल्की रोमांटिक फिल्मों से पहचान बनाने वाली नुसरत मानती हैं कि वह हमेशा खुद को रोम-कॉम एक्ट्रेस ही समझती थीं, लेकिन छोरी ने उन्हें एक नए क्रिएटिव ज़ोन में पहुँचाया, जहाँ डर, गहराई, संवेदनशीलता और सामाजिक संदेश एक साथ जुड़ते हैं। फिलहाल 'छोरी 3' के साथ वे इसके अगले अध्याय में कदम रखने जा रही हैं। साथ ही अपनी इस सफलता को वे हर उस लड़की को समर्पित करती हैं जो अपनी राह नए सिरे से तय कर रही है, जो ये साबित करती है कि हिम्मत और विश्वास से कोई कुछ भी हासिल किया जा सकता है, फिर वो चाहे कितना भी असम्भव क्यों न लग रहा हो।

पूनम मेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अरसीकेरे के दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ परिसर में मिगसर पूनम मेला का आयोजन हुआ। मरुधर में खिवांदी हाल राणीबेन्नुर निवासी थानमल सुखराज मल्लेशा परिवार ने पूनम मेला का संपूर्ण लाभ लिया। बड़ीसंख्या में भक्तों के साथ पहुंचकर उन्होंने पूजन किया। तुषार गुरुजी ने शुद्ध मंत्रोच्चार से पार्श्व भैरव महापूजा पढ़ाई। गायक दिलखुश बाफणा के साथ प्रकाश राठोड, रिंकु बाफणा, कलिंगा कवाड के मधुर कंठों से भक्ति गीतों की सुरलहरी बहा दी। भैरवदेव को छप्पनभोग, 108 श्रीफल, पुष्प अर्पण एवं तेल चढाना लाभार्थियों द्वारा किया गया।

आदर्श स्कूल ने किया प्रतिभाओं का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आदर्श विद्या संघ द्वारा संचालित मनवरथपेट स्थित आदर्श स्कूल में विद्यार्थियों की उत्कृष्ट उपलब्धियों को सम्मानित करने हेतु पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का शुभारंभ राष्ट्रगान के सामूहिक गायन से हुआ, जिसके पश्चात विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. प्रज्ञा यादव ने संघ के मुख्य अतिथि अशोक भंसाली का स्वागत किया। कार्यक्रम में वर्षभर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं, निबंध लेखन, संभाषण, रंगोली, चित्रकला तथा सामान्य ज्ञान क्विज़ के विजेताओं को सम्मानित किया गया।

इसके अतिरिक्त, विद्यालय ने सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी पुरस्कार और नियमित उपस्थिति पुरस्कार भी प्रदान किए। मुख्य अतिथि अशोक भंसाली ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि निरंतर प्रयास और आत्मअनुशासन सफलता की कुंजी हैं। प्रधानाचार्या डॉ. प्रज्ञा यादव ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धात्मक भावना का विकास करते हैं और उन्हें उत्कृष्टता की ओर अग्रसर करते हैं। कार्यक्रम में अध्यापकगण, अभिभावक एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। विद्यालय परिसर उत्साह और गौरव की भावना से ओतप्रोत दिखाई दिया। यह जानकारी हाई स्कूल के हिंदी अध्यापक नित्यानंद शर्मा ने दी।

नए विचारों, सकारात्मक ऊर्जा से हो नए वर्ष का स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां आऊवा महिला मंडल की दिसंबर माह की मासिक संगोष्ठी उपाध्यक्ष वसंता रायसोनी के नेतृत्व में निर्मला हेमंत चंडालिया के निवास कॉक्स टाउन में शनिवार दोपहर में हुई। पीले रंग की साड़ी के आकर्षक ड्रेस कोड में पहुंची सभी सदस्यों ने नए उत्साह के साथ 2026 का स्वागत कैसे करें इस विषय पर सहभागिता की।

उपाध्यक्ष वसंता रायसोनी ने सभी का स्वागत किया। बिन्दु रायसोनी ने कार्यक्रम का संचालन किया।ङ्गकार्यक्रम में संतोष रायसोनी ने आध्यात्मिक विषय प्रस्तुत करते हुए कहा कि मनुष्य जन्म अत्यंत दुर्लभ है और यह हमारे अच्छे कुल, अच्छे धर्म तथा कर्म उदय के प्रभाव से प्राप्त होता है। हमें जीवन को आध्यात्मिक दिशा में अग्रसर करना चाहिए। कितनी ही खाइयाँ पार कर मनुष्य गति मिली है, इसलिए इसका श्रेष्ठ उपयोग करना अनिवार्य है। आने वाले नए वर्ष की तैयारी अच्छे संकल्पों से होनी चाहिए। शीतल चोपड़ा ने मैनिफ़ेस्टेशन विषय को सरल और प्रभावी शब्दों में समझाया।

उन्होंने कहा कि इसका वास्तविक अर्थ है किसी विचार, भावना या विश्वास को वास्तविकता में बदलना। व्यक्ति जब अपने विचारों, भावनाओं और सकारात्मक कर्मों को एक दिशा देता है, तो मनचाही स्थिति को वास्तविक रूप में पाया जा सकता है।

आराधना चण्डालिया ने ज्ञानवर्धक प्रतियोगिता करवाई। विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

अध्यक्ष कांता रायसोनी, मंत्री पिंकी इसरानी ने शुभकामनाएँ दी। संगोष्ठी का शुभारंभ नवकार मंत्र से हुआ। अंत में निर्मला चण्डालिया ने सभी उपस्थित सदस्याओं का आभार व्यक्त किया। बैठक नए विचारों, सकारात्मक ऊर्जा और वर्ष 2026 के स्वागत की सुंदर तैयारियों के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई।

पूर्णिमा के मौके पर बसवनगुड़ी में गुरुदेव की भक्ति का कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल बसवनगुडी द्वारा पूर्णिमा के उपलक्ष्य में गुरुदेव की भक्ति बसवनगुड़ी दादावाड़ी में रखी गई। अध्यक्ष अरविन्द कोठारी ने गुरुदेव के बारे में बताया।ङ्गमंडल के मंत्री ललित डाकलिया ने कहा कि हर पूर्णिमा को दादा गुरुदेव की भक्ति दादावाड़ी में आयोजित की जाती है और गुरुदेव के पुण्य स्मरणों को याद करके भक्ति गीतों और इकतीसा के माध्यम से श्रद्धा सुमन अर्पित किए जाते हैं। गुरुदेव के आध्यात्मिक और साधना बल से

उनके जीवनकाल और उनके स्वर्गारोहण के पश्चात भी अनेक चमत्कार घटित होते रहते हैं जिन्हें भक्तगण प्रत्यक्ष महसूस भी करते हैं। इस अवसर पर गायक सुरेश कोठारी सहित मंडल के अनेक सदस्य व भक्तगण उपस्थित थे।

हर चिंता का हरण करने वाले चिंतामणि प्रभु पारसनाथ : डॉ. वरुण मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/हुमंचा। डॉ. वरुण मुनि जी म.सा. ने शुक्रवार को अपने संबोधन में कहा कि हर चिंता को हरने वाला, हर मनोकामना को पूर्ण करने वाला नाम है–भगवान चिंतामणि पार्श्वनाथजी का नाम। जैन परंपरा के 24 तीर्थंकरों में 23वें तीर्थंकर प्रभु पार्श्वनाथ का अपना एक विशिष्ट और अत्यंत महत्त्वपूर्ण स्थान है। समस्त विश्व में जैन इतिहास के अनुसार सर्वाधिक मंदिर, सर्वाधिक प्रतिमाएँ, सर्वाधिक स्तोत्र एवं सर्वाधिक मंत्र–रचनाएँ यदि किसी तीर्थंकर के लिए हुई हैं, तो वे हैं–चिंतामणि प्रभु पार्श्वनाथ।ङ्गमुनिश्री अपनी विहार यात्रा करते हुए विश्वविख्यात हुंमचा पद्मावती तीर्थ पहुंचे। जो श्रद्धा, भक्ति और आस्था का अद्वितीय केंद्र है। इस अवसर पर भट्टारक श्री देवेंद्र कीर्ति जी म. द्वारा राष्ट्रीय संत उपप्रवर्तक पंकज मुनिजी, डॉ. वरुण मुनिजी एवं मुनिरत्न श्री रूपेश मुनिजी का विशिष्ट रूप से स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।ङ्गडॉ. वरुण मुनिजी ने कहा कि भगवान पार्श्वनाथ के नाम के साथ विशेषण चिंतामणि जोड़ा गया है। चिंतामणि एक दिव्य रत्न माना गया है, जिसके प्रभाव से हर

मनोकामना पूर्ण होती है और हर चिंता का नाश होता है। इसी प्रकार प्रभु पारस का पावन नाम साक्षात चिंतामणि रत्न के समान है।

जो भी भक्ति–भाव से उनके नाम का जाप, स्मरण और साधना करता है, देवी पद्मावती और शासन अधिष्ठायक देव–देवियाँ उसकी सभी चिंताओं का विनाश कर मनोकामनाओं को पूर्ण करते हैं। हुंमचा पद्मावती तीर्थ में भगवान पारसनाथ, देवी पद्मावती और शासन अधिष्ठायक धर्णेन्द्र देव का पावन जिनालय स्थित है। यहाँ दूर–दूर से श्रद्धालु अपनी मनोकामनाएँ लेकर आते हैं और विश्वासपूर्वक कहते हैं कि यहाँ आने से दुख दूर होते हैं और इच्छाएँ पूर्ण होती हैं। इस तीर्थ का संपूर्ण संचालन भट्टारक श्री देवेंद्र कीर्तिजी के दिशा–निर्देशन में अत्यंत सुंदर व अनुशासित ढंग से हो रहा है।

डीपीएच हाई स्कूल को 'होलीस्टिक एज्यूकेशन' श्रेणी में राष्ट्रीय पुरस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। विक्टोरिया रोड स्थित श्री हिन्दी शिक्षण संघ द्वारा संचालित डीपीएच हाईस्कूल को एज्यूकेशन टुडे द्वारा आयोजित इंडिया स्कूल मेरिट अवॉर्ड्स–2025 में 'आईसीएसई पैरामीटर–वाइज होलीस्टिक एज्यूकेशन' अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह समारोह एक पंचतारा होटल में शुक्रवार को आयोजित किया गया, जिसमें देशभर के प्रमुख विद्यालयों ने भाग लिया।ङ्गइस वर्ष 2167 से अधिक स्कूलों का मूल्यांकन किया गया, जिनमें से डीपीएच हाई स्कूल को भारत के शीर्ष 400 विद्यालयों में स्थान प्राप्त हुआ।

विद्यालयों का आकलन 15 प्रमुख मानकों जैसे अकादमिक प्रतिष्ठा, शिक्षक विकास, खेल एवं सह–शैक्षणिक गतिविधियाँ, अवसंरचना, मूल्य शिक्षा एवं विद्यार्थी समग्र विकास के आधार पर किया गया। अंतिम रैंकिंग जूरी मूल्यांकन, 1.31 लाख अभिभावकों के वोट और एज्यूकेशन टुडे टीम के विस्तृत विश्लेषण पर आधारित थी। यह पुरस्कार विद्यालय के सचिव शांतिलाल चोपड़ा और प्रधानाचार्या रेणुका महेश ने एक समारोह में ग्रहण किया।ङ्गइस मौके पर विद्यालय के सचिव शांतिलाल चोपड़ा ने कहा कि होलीस्टिक एज्यूकेशन के इस राष्ट्रीय सम्मान ने हमारे उस मिशन को और सुदृढ़ किया है, जिसके तहत हम बच्चों के मन, शरीर और चरित्र तीनों का विकास करने पर जोर देते हैं। हमारे शिक्षक, विद्यार्थी, अभिभावक और शुभचिंतक इस उपलब्धि की असली शक्ति रहे हैं। हम भविष्य में भी आत्मविश्वासी, करुणाशील और योग्य विद्यार्थियों के निर्माण के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

श्रेयांस पारणा समिति द्वारा वर्षीतप अक्षय तृतीया पारणे का '400 पार' का लक्ष्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्रेयांस पारणा समिति के तत्वावधान में श्रीरामपुरम स्थित जेपीपी जैन श्रमणी सेंटर में संचालित एकांतर वर्षीतप पारणा के तप आराधकों को आगामी अक्षय तृतीया पारणा महोत्सव के फॉर्म वितरण का कार्यक्रम संपन्न हुआ। पंच परमेष्ठि नमस्कार महामंत्र के सामूहिक जाप द्वारा मंगलाचरण किया गया। कार्यक्रम में समणी निदेशिका डॉ सुयशनिधिश्री, समणी डॉ सुयोगनिधिश्री ने सानिध्य प्रदान करते हुए मंगल पाठ प्रदान किया। समिति के चेयरमैन रमेशचंद सियाल, सह चेयरमैन मीठालाल लोढ़ा ने सभी का स्वागत किया। जेके महावीरचंद चोरड़िया ने जानकारी देते हुए बताया कि आचार्य पार्श्वचंद्र जी एवं स्थानकवासी जैन समणी मार्ग के प्रेरक डॉ. पदमचंद्रमुनि जी के सान्निध्य में होने वाले अक्षय तृतीया पारणा महोत्सव में इस बार 400 पार का लक्ष्य निर्धारित किया गया है जिसमें स्थानीय 160 वर्षीतप आराधक तपस्वियों के साथ ही पूरे देश भर से कुल 400 से अधिक वर्षीतप आराधकों के पारणा की सुंदर व्यवस्था की जा रही है।

समिति की ओर से राजेन्द्रकुमार नाहर, महावीरचंद श्रीश्रीमाल, रमेशचंद गुगलिया, कोमलचंद धोका, महेन्द्रकुमार चोरड़िया, उत्तमचंद कोठारी, रोशनलाल नाहर, पदमचंद रातड़िया ने विचार प्रकट किए। एकांतर पारणा व्यवस्था के सहयोगी महेन्द्रकुमार धोका, अजयकुमार धोका ने तपस्वियों के पारणा की सुंदर व्यवस्था के लिए समिति की सराहना की। उनका समिति के पदाधिकारियों द्वारा सम्मान किया गया। रमेशचंद पवनकुमार सिसोदिया परिवार ने वार्षिक सहयोगी बनने की घोषणा की।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु में गौ सेवा गतिविधि संगठन कर्नाटक द्वारा मैजेस्टिक स्थित परंकाला मठ में पंचगव्य से कैंसर चिकित्सा निशुल्क शिविर का आयोजन किया गया। 15 से भी ज्यादा डॉक्टरों ने अपनी सेवाएं दी। शिविर से सैकड़ों मरीज लाभान्वित हुए। शिविर में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने संगठन के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि गाय पृथ्वी का पोषण है। इसका गोमूत्र संजीवनी औषधि है। गाय से प्राप्त पंचगव्य से तन मन का शुद्धिकरण होता है। गाय से प्राप्त गोबर से धरती उपजाऊ बनती है। गाय से प्राप्त शुद्ध देसी घी के हवन से वातावरण का शुद्धिकरण होता है। हम गाय का पालन नहीं करते, गाय हमारा पालन करती है। इस मौके पर संगठन के प्रमुख प्रवीण एवं उपस्थितजनों ने महेंद्र मुणोत को गौ सेवा के लिए 'गौ सेवा रत्न पुरस्कार' से सम्मानित किया।

श्याम सखा परिवार द्वारा छठवां भजनोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय संस्था श्री श्याम सखा परिवार द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष 14 दिसंबर को लालबाग रोड स्थित श्री गोडवाड़ जैन भवन सभागार में 'करने वाले श्याम, करवाने वाले श्याम' कार्यक्रम के तत्वाधान में षष्ठम प्रस्तुति 'कद आवोला सांवरिया म्हारे देश' भजन महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। संस्था के सदस्य सुभाष राजपुरोहित ने जानकारी में बताया कि इस अवसर पर दोपहर 2.15 बजे बाबा के भव्य दरबार में पूजा अर्चना कर अखंड ज्योत प्रज्वलित की जाएगी। संकीर्तन में मुंबई के भजन प्रवाहक राकेश बावलिया, सिद्धि शर्मा लक्ष्मणगढ़, गिरिराज शर्मा जयपुर के साथ ही बेंगलूरु के स्थानीय कलाकार भागवताचार्य पंडित मुरारी दाधीच, रामसुंदर बगड़िया, श्रेया इन्दोरिया, किशन बगड़िया,श्रुति पुरोहित सहित कई भजन गायक अपनी प्रस्तुति देंगे।

श्री श्याम सखा परिवार के सदस्य बिमल सुरोलिया ने बताया कि इस महोत्सव में बाबा श्याम का फूलों से भव्य एवं मनमोहक श्रृंगार के साथ छप्पन भोग अर्पण किया जाएगा। इस महोत्सव को लेकर श्याम भक्त पिछले कई महीनों से तैयारी में जुटे हुए हैं।

धर्म की साधना करते हुए जीवन जीएं : साध्वी भव्यगुणा

होसुर/बेंगलूरु/दक्षिण भारत। यहां साध्वीश्री भव्यगुणाजी ने शुक्रवार को अपने प्रवचन में मानव जीवन को चार रूप से समझाया। उन्होंने कहा कि मानव जीवन बालू की रेत, पत्थर, वृक्ष व जवाहरात के समान है। हम इनमें से किस तरह के रूप का जीवन जी रहे हैं इस पर चिंतन मनन करना होगा। बालू की रेत का रूप मनुष्य का सबसे निकृष्ट स्तर है। ऐसा जीव अधर्मी होता है और दूसरों को कष्टदायी होता है। ऐसा जीवन जीने वाले को सुख नहीं मिल सकता। इसी तरह पत्थर समान जीवन जीने वाला जैसी संगत मिलती वैसा बन जाता है। वृक्ष के समान जीवन उपयोगी होता है। ऐसा जीवन जीने वाला परोपकारी व दूसरों का भला चाहने वाला होता है। जवाहरात जैसा जीवन जिनका होता है वह हमेशा दुनिया में चमकते रहते हैं और दुनिया उनका अनुसरण करने के लिए आतुर रहती है। ऐसे लोगों का जीवन आदर्श व अनुकरणीय होता है। धर्म की साधना करते हुए ऐसा जीवन जीए कि दुनिया से विदा होने के बाद भी लोग याद करें। ङ्गसाध्वी शीतलगुणाजी ने कहा कि मनुष्य की आत्मा ही परमात्मा है। भविष्य स्वर्ग जैसा बनाना चाहते हैं उसके लिए वर्तमान को भी स्वर्ग जैसा बनाना होगा।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**